## CBSE CTET 2021 S2

| | |
|---|---|
| Application No | |
| Candidate Name | |
| Roll No. | |
| Test Date | 24/12/2021 |
| Test Time | 2:30 PM - 5:00 PM |
| Subject | P2 Hindi and Sanskrit SS |

Section : **Child Development and Pedagogy**

**Q.1** विकास का वह चरण जब कोई जीव सबसे तेज़ी से किसी विशेष कौशल या विशेषता को प्राप्त कर सकता है, क्या कहलाता है?

**Options**
1. विकासात्मक विलंब
2. संज्ञानात्मक स्थिरता
3. समीपस्थ विकास का क्षेत्र
4. संवेदनशील अवधि

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.2** एक अध्यापिका को अधिगमकर्ताओं की पसंदीदा अधिगम शैलियों संबंधित व्यक्तिगत विभिन्नताओं ________ करना चाहिए।

**Options**
1. का परिवर्जन
2. को अनदेखा
3. को खारिज
4. का सम्मान

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.3** माध्यमिक विद्यालयों में लिंग भेद को दूर करने हेतु निम्न में से कौन-सा कदम मददगार रहेगा?

**Options**
1. जेंडर-प्रारूपों का प्रतिरूपण करना।
2. जेंडर अनुवृती भूमिकाओं पर बल देना।
3. जेंडर-रूढ़िवादों में लचीलेपन को बढ़ावा देना।
4. जेंडर-आधारित आसन व्यवस्था को बढ़ावा देना।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.4**

**Options**
1.

2. विद्यार्थियों को सीमित समय में लेखन कार्य पूरा करने के लिए कहना चाहिए।

3. लेखन की अनियमितताओं के लिए विद्यार्थियों की आलोचना करनी चाहिए।

4. किसी दत्तकार्य को पूरा करने के आवश्यक लेखन की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.5** लेव वायगोत्स्की का मानना था कि —

**Options**
1. बच्चों को कार्य करने समय कोई मदद नहीं देनी चाहिए, चाहे उनके लिए वह कार्य बिलकुल नया ही हो।

2. बच्चो को बिना किसी व्यस्क से पारस्परिकता के समस्याओं पर अपने काम करने देना चाहिए।

3. अध्यापिका द्वारा बच्चों को उपयुक्त भौतिक पुरस्कार प्रदान करके कार्य पर काम करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

4. समस्या समाधान के दौरान बच्चों को संकेत देकर और उत्तर की तरफ पहुँचने वाले सवाल पूछकर पाड़ प्रदान करनी चाहिए।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.6** पठन में कठिनाइयाँ जैसे कि अक्षरों का दर्पण छवि भ्रम और उत्क्रमण, निम्न में से किसके अभिलक्षण हैं?

**Options**
1. गुणज वैकल्य

2. स्वलीनता

3. अवधान न्यूनता अतिक्रियाशीलता विकार

4. वाचन वैकल्य

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.7**

**Options**
1.
2. विद्यार्थियों में पैदा होना असामान्य है।
3. पूरी तरह अतार्किक और निराधार हैं।
4. अधिगम प्रक्रिया का प्राकृतिक अंग हैं।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.8** दिव्यांग विद्यार्थियों के समावेशन के लिए क्या ज़रूरी है?

**Options**
1. अवसरों की असमानता
2. सहभागिता में अवरोध
3. गैर-भेदभाव
4. अगम्य मूलभूत संरचनाएँ

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Q.9** बच्चों का एक समूह अपने खेल को एक नृत्य-रियलिटी शो पर आधारित करता है। एक जज को नकल करते हुए, ज़फर मेज पर चढ़ता है और टिप्पणी करते हुए ताली बजाता है। इस उदाहरण में सामाजीकरण की कौन-सी संस्था निदर्शित है?

**Options**
1. मीडिया
2. शैक्षणिक संस्थान
3. धर्म
4. आस-पड़ोस

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Q.10**

**Options**
1.
2. केवल वातावरण का।
3. अनुवांशिकता और वातावरण की पारस्परिक क्रिया का।
4. केवल अनुवांशिकता का।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.11** निम्न में से कौन सी बुद्धि गार्डनर के बहु-बुद्धि सिद्धांत सम्मिलित नहीं है?

**Options**
1. प्राकृतिक बुद्धि
2. शारीरिक-गति संवेदी बुद्धि
3. सृजनात्मक बुद्धि
4. स्थानीय बुद्धि

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.12** निम्नलिखित वक्तव्यों में कौन सा विकास के विषय में सही **नहीं** है?

**Options**
1. विकास सुनिश्चित पूर्व निर्धारित रीति से होता है।
2. विकास जीवन पर्यन्त परिवर्तन की प्रक्रिया है।
3. विकास बहुआयामी एवं बहुमुखी होता है।
4. सांस्कृतिक परिवर्तन से विकास प्रभावित नहीं होता।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Q.13**

**Options**
1.
2. वस्तुओं के स्थानांतरण संबंधित विशिष्ट क्रियाकलापों का कार्यान्वयन करना।
3. समस्या समाधान कौशल सीखना और उनका प्रयोग करना।
4. एकाग्रता आधारित खेलों में भाग लेना।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.14** एक प्रभावी अध्यापक —

**Options**
1. ज्ञान के ज्यों के त्यों पुनरुत्पादन पर बल देता है।
2. अविभेदित अनुदेशन और मानवीकृत आकलन पर बल देता है।
3. गलत उत्तरों के लिए विद्यार्थियों को दण्डित करता है।
4. अपने विद्यार्थियों कि भावनात्मक आवश्यकताओं का ध्यान रखता है।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.15** 'सामूहिक एकालाप' की अवधारणा किसके द्वारा दी गयी है?

**Options**
1. लेव वायगोत्स्की
2. एल्बर्ट बंडूरा
3. जेरोम ब्रूनर
4. जीन पियाजे

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

Q.16

Options

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या करता है (A) की।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या नहीं है (A) की।
3. (A) सही है लेकिन (R) गलत हैं।
4. (A) और (R) दोनों गलत हैं।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

Q.17 निम्न में से कौन-सा सवाल विद्यार्थियों में अधिसंज्ञान कौशलों को बढ़ावा देने में मददगार होगा?

Options

1. दिए गए सवाल को सुलझाने के लिए आपने क्या सोपान अपनाए?
2. एक पारिस्थितिक तंत्र के विविध घटक क्या हैं?
3. एक मानचित्र और ग्लोब में क्या अंतर है?
4. पानी का रासायनिक सूत्र क्या है?

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

Q.18 प्रतिभाशाली और मेधावी विद्यार्थियों को —

Options

1. सिर्फ़ तथ्यों के प्रत्यास्मरण पर आधारित प्रदत्त कार्य देने चाहिए।
2. सिर्फ़ अध्यापक से स्वीकृत गतिविधियों को करने के अवसर मिलने चाहिए।
3. चुनौतीपूर्ण अधिगम परिवेश मिलना चाहिए।
4. सभी कार्यों के लिए गहन एवं सतत निरीक्षण करना चाहिए।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.19**

**Options**
1.
2. पूर्व संक्रियात्मक
3. सांवेदिक पेशीय
4. मूर्त संक्रियात्मक

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.20** कैरोल गिलीगन —

**Options**
1. ने कोहलबर्ग के नैतिक सिद्धांत का 2 स्तर और जोड़कर विस्तार किया है।
2. आलोचना करती हैं कि कोहलबर्ग ने पियाजे के नैतिक विकास के सिद्धांत का संदर्भ नहीं लिया है।
3. का तर्क है कि कोहलबर्ग के नैतिकता सिद्धांत में, नारीवादी-नैतिकता जो 'देखभाल के आचार' पर बल देती है' जिसकी अवहेलना की गयी है।
4. ने कोहलबर्ग के सिद्धांत में 'देखभाल' और 'न्याय' के विचार से सहमत हैं।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.21** बाल केन्द्रित शिक्षा के समर्थकों का मानना है कि-

**Options**
1. बालकों से स्वयं तर्क और चिंतन की अपेक्षा नहीं की जा सकती।
2. बालकों के कक्षा से बाहर के अनुभव अधिगम में असंगत है।
3. कक्षा में अध्यापक के निर्देशन का आधिपत्य होना चाहिए।
4. व्यक्तिगत अनुभव अधिगम प्रक्रिया में केन्द्रीय भूमिका निभाते हैं।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.22**

**Options**
1.
2. प्रदर्शन
3. अधिगम
4. परिहार

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.23** कथन (A): विद्यार्थियों को अपने आस-पास होने वाली विभिन्न घटनाओं के कारणों का अंदाजा लगाने के लिए बढ़ावा देना चाहिए।
तर्क (R): बच्चे अपने आस-पास दिखी हर घटना का कारण खोजना चाहते हैं और उनकी कारक-व्याख्या उन्हें 'लघु-सिद्धांतों' के निर्माण की ओर ले जाती है।
सही विकल्प चुनें।

**Options**
1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या करता है (A) की।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या नहीं है (A) की।
3. (A) सही है लेकिन (R) गलत हैं।
4. (A) और (R) दोनों गलत हैं।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Q.24** विद्यार्थियों में अर्थपूर्ण अधिगम को सुसाध्य करने में निम्न में से कौन-सा सहायक है?

**Options**
1. विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्द्धा की अभिवृत्ति पैदा करना।
2. ऐसे शिक्षाशास्त्र अपनाना जो बृहत रूप से अध्यापक-केन्द्रित हों।
3. विद्यार्थियों में याद करने के कौशल पर अनन्य केन्द्रीयकरण।
4. खोज अधिगम और ज्ञान के निर्माण के लिए एक प्रेरक वातावरण।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.25**

**Options** 1.

2. सामूहिक कार्य और सहपाठियों के सहयोग को हतोत्साहित करना।

3. किसी भी समस्या के समाधान के लिए चरण दर चरण निर्देश देना।

4. किसी भी समस्या के समाधान के लिए किसी एक ही विधि को प्रोत्साहित करना।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.26** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विद्यार्थियों के आकलन हेतु प्रस्तावित समग्र 360-डिग्री, बहुआयामी रिपोर्ट के संदर्भ में कौन-सा कथन सही <u>नहीं</u> है?

**Options**
1. रिपोर्ट में स्वयं का और सहपाठियों का आकलन सम्मिलित होगा।
2. रिपोर्ट घर और विद्यालय के मध्य एक महत्वपूर्ण संबंध बनाएगी।
3. रिपोर्ट केवल व्यक्तिगत कार्यों पर केन्द्रित होगी और सामूहिक कार्यों को शामिल नहीं करेगी।
4. रिपोर्ट में विद्यार्थियों कि संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोगत्यात्मक आयामों की प्रगति शामिल होगी।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.27** विद्यार्थियों में सम्प्रत्ययात्मक अधिगम हेतु, एक अध्यापिका को निम्न में से किसका प्रयोग टालना चाहिए?

**Options**
1. विद्यार्थियों से किसी समस्या को हल करने के विविध तरीके पूछना।
2. उप-संप्रत्ययों में संबंध स्थापित करने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना।
3. विषयों को जटिल से सरल क्रम में लगाना।
4. प्रक्रियात्मक ज्ञान पर बल देना।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.28**

**Options** 1.
यह देखना कि शिक्षक द्वारा दिए प्रत्यक्ष निर्देशों को बच्चे कितने ध्यान से सुनते हैं।

2.
बच्चों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करना और उनके जवाबों का विश्लेषण करना।

3.
विद्यार्थियों द्वारा पुनरावृत्ति की परिशुद्धता और प्रत्यास्मरण का आकलन करना।

4.
विद्यार्थियों द्वारा पाठ्यपुस्तक में से नकल किए गए परिच्छेद की त्रुटियों का विश्लेषण करना।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.29** एक वायगोत्स्कीयन कक्षा-कक्ष में सहपाठियों का एक समूह किसी सामान्य लक्ष्य पर पहुँचने के लिए कार्य कर रहा है, इस स्थिति में वो ____________ में वयस्त है।

**Options**
1. पारस्परिक अध्यापन
2. सहयोगिक अधिगम
3. पाड़
4. अंतर वाक

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.30** किसी दिए गए विषय पर ज्ञान और संबंधों को व्यवस्थित और प्रस्तुत करने का चित्रात्मक उपकरण क्या कहलाता है?

**Options**
1. अनुरूपक
2. संप्रत्यय चित्रण
3. कलन विधि
4. शाब्दिक अभिव्यक्ति

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

Section : **Social Studies or Social Science**

Q.1

Options
1. (A) तथा (B) दोनों गलत हैं
2. (A) गलत है, किन्तु (B) सही है।
3. (A) तथा (B) दोनों सही हैं
4. (A) सही है, किन्तु (B) गलत है।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

Q.2 निम्नलिखित में से कौन सा कथन सामाजिक सुधार और जातीय उन्मूलन के संदर्भ में सही है?

Options
1. परमहंस मंडल के बहुत से सदस्य चर्मकार थे / चमड़े का कार्य करते थे।
2. राममोहन राय ने जातिगत असमानता को चुनौती देने वाली बुद्ध सम्प्रदाय की एक पाठ्य सामग्री का अनुवाद किया था।
3. पेरियार ने सभी धर्मों के आदर्शों को एक साथ लाने और आध्यात्मिक अभ्यासों के द्वारा मोक्ष के लिए प्रयास किया।
4. सिंह सभा के नेताओं ने केवल धार्मिक शिक्षण पर बल दिया।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

Q.3 मिलान करें तथा उपयुक्त विकल्प का चयन करें।

| | |
|---|---|
| a अपक्षय | (i) भू-दृश्य पर होने वाला क्षय |
| b अपरदन | (ii) शैलों का टूटना |
| c विसर्प | (iii) नदी के उत्थित तट |
| d तटबंध | (iv) नदी द्वारा निर्मित बड़े मोड़ |

Options
1. a – i, b – ii, c – iv, d - iii
2. a – i, b – ii, c – iii, d - iv
3. a – ii, b – i, c – iii, d - iv
4. a – ii, b – i, c – iv, d - iii

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.4** मान लीजिए कि कोई विद्यार्थी जीविका पर सरकारी योजनाओं के प्रभाव के बारे में अध्ययन करना चाहता है, उसे मुख्य रूप से ________________ की आवश्यकता हो सकती है।

A. केवल द्वितीयक आँकड़ों को एकत्र करने
B. सांख्यिकी औजारों को प्रयोग करने की योग्यता
C. योजना की जानकारी को इकट्ठा करना
D. तुलनात्मक समूहों का सूत्रीकरण / प्रतिपादन

उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए:

**Options**
1. केवल A, B तथा C सत्य हैं
2. केवल A तथा B सत्य हैं
3. केवल B, C तथा D सत्य हैं
4. केवल A, C तथा D सत्य हैं

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.5** सूर्य से उनकी दूरी के अनुसार, ग्रहों का उचित क्रम कौन सा है?

**Options**
1. बुध, पृथ्वी, मंगल, शुक्र, बृहस्पति, शनि, यूरेनस तथा नेप्च्यून
2. बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, यूरेनस तथा नेप्च्यून
3. बुध, पृथ्वी, मंगल, शुक्र, बृहस्पति, यूरेनस, शनि तथा नेप्च्यून
4. बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, यूरेनस, शनि तथा नेप्च्यून

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.6** एक ऐतिहासिक घटना की समाचार-पट्टिका (क्लिपिंग) का सामाजिक विज्ञान अध्यापक तार्किक चिन्तन विकसित करने के लिए कैसे प्रयोग करें?

A. लेखक के दृष्टिकोण और स्रोत का आकलन
B. घटना के घटित होने के प्रसंग में तर्क प्रस्तुत करना
C. तर्कों की सत्यता को प्रमाणित करना
D. मुख्य बिन्दुओं का सारांश बनाकर प्रस्तुत करना

सही विकल्प का चयन कीजिए।

**Options**
1. A तथा C
2. A, B तथा C
3. B, C तथा D
4. C तथा D

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

Q.7

Options
1. (B) और (C) सही हैं
2. (A) और (B) सही हैं
3. (A), (B) और (C) सही हैं
4. (A) और (C) सही हैं

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

Q.8 एक फसल के संबंध में निम्न को पढ़िए।

A. यह उष्ण कटिबंधीय और उपोष्ण कटिबंधीय प्रदेशों का मुख्य आहार है।

B. इसे उच्च तापमान उच्च आर्द्रता तथा उच्च वर्षा की आवश्यकता होती है।

सही विकल्प का चयन करें।

Options
1. गेहूँ
2. मक्का
3. ज्वार
4. चावल

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

Q.9 19वीं शताब्दी के आदिवासी समूहों के बारे में निम्नलिखित दो कथनों को पढ़ें और सही विकल्प का चयन करें –

(A) वे झूम खेती करते थे, जानवरों का शिकार करते थे और वन्य उत्पादों को इकट्ठा करते थे।

(B) वे एक जगह खेती करते थे। जानवरों का पालन और पोषण करते थे।

Options
1. केवल (A)
2. केवल (B)
3. (A) और (B) दोनों
4. (A) और (B) कोई भी नहीं

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Q.10**

**Options** 1. (A) और (B) दोनों सही हैं, लेकिन (B) सही व्याख्या नहीं है (A) की।

2. (A) और (B) दोनों गलत हैं।

3. (A) सही है, लेकिन (B) गलत है।

4. (A) और (B) दोनों सही हैं और (B) सही व्याख्या करता है (A) की।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.11** निम्नलिखित कथनों A तथा B पर विचार करें और सही विकल्प चुनें।

बच्चों में संज्ञानात्मक विकास के लिए अध्यापक क्या कर सकते हैं?

A. उन्हें भावानुवाद करने और खुद से नोट्स बनाने को उत्साहित करें।

B. मुख्यतः साधारण पुनः स्मरण आधारित प्रश्न दें।

C. उन्हें अपने अन्वेषण के तरीके / ढंग बनाने की अनुमति दें।

D. उनकी समस्या-समाधान परिस्थितियों में भागीदारी करवाएँ।

सही विकल्प का चयन कीजिए।

**Options** 1. A, C और D

2. B, C और D

3. A, B और D

4. A, B और C

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

Q.12

Options
1. a और c
2. a, b और c
3. a और b
4. b और c

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

Q.13 प्राथमिक स्तर पर छात्रों के लिए 'दिशा' की संकल्पना को प्रस्तुत करने के लिए सर्वोत्तम संसाधन क्या हो सकता है?

Options
1. ग्राफ पेपर
2. पोस्टर
3. कहानी पुस्तक
4. मानचित्र

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

Q.14 निम्न कथनों को पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए।
अभिकथन (A): कुछ देशों का अक्षांशीय विस्तार काफी अधिक है।
कारण (R): कुछ देशों में एक से अधिक मानक समय अपनाए गए हैं।

Options
1. (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।
2. (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या है (A) की।
3. (A) सही है किन्तु (R) गलत है।
4. (A) तथा (R) दोनों सही हैं किन्तु (R) सही व्याख्या नहीं है (A) की।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.15**

Options 1.

2. अधिगम का आकलन

3. रचनात्मक आकलन

4. अधिगम के लिए आकलन

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.16** असहयोग आन्दोलन के विषय में इन वक्तव्यों पर विचार करें, सही विकल्प चुनिए।
A: इस आन्दोलन के दौरान विदेशी कपड़ों के आयात में अत्यधिक वृद्धि हुई।
B: इस आन्दोलन के दौरान ब्रिटिश प्रदात्त उपाधियों को लौटा गया और विधान मंडलों का बहिष्कार किया गया।
C: इस आन्दोलन के दौरान विदेशी कपड़ों की होली जलाई गई।

Options 1. दोनों (A) और (C) सत्य हैं।

2. दोनों (A) और (B) सत्य हैं।

3. दोनों (B) और (C) सत्य हैं।

4. केवल (C) सत्य है।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.17** हमें आरंभिक कृषकों व पशुपालकों के बारे में कैसे पता चला?
A- हमारे पास उस समय का लिखित रिकार्ड है।
B- हमारे पास अनाजों और जानवरों की हड्डियों के साक्ष्य हैं।

Options 1. केवल (B)

2. केवल (A)

3. (A) और B दोनों

4. न तो (A) न ही (B)

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.18**

Options
1. केवल (A) सही है।
2. (A) और (B) दोनों गलत हैं।
3. केवल (B) सही है।
4. (A) और (B) दोनों सही हैं।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.19** नीचे दी गई A व B विशेषताओं के आधार पर वायुमंडल की परत की पहचान कीजिए।

A. आयन मंडल इस परत का एक भाग है।

B. रेडियो संचार में यह परत मदद करती है।

Options
1. क्षोभमंडल
2. समतापमंडल
3. मध्यमंडल
4. बाह्यमंडल

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Q.20** भारत के कौन से भाग में लगभग सभी प्रकार की वनस्पतियाँ पाई जाती हैं, जो भूमध्यरेखा से ध्रुव की ओर जाने पर मिलती हैं?

Options
1. डेल्टा क्षेत्र
2. हिमालय
3. पूर्वी घाट
4. पश्चिमी घाट

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Q.21**

**Options**
1. 
2. पंचायती राज
3. पुलिस प्रशासन
4. भू-राजस्व रिकार्ड

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.22** प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन के संरक्षण के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और सही विकल्प का चयन करें।
A. विश्व के अनेक भागों में मनुष्य ने अपने क्रियाकलापों से अनेक जातियों के प्राकृतिक आवासों में उथल-पुथल कर दी है।
B. प्रजातियाँ जो विलुप्त होने की कगार पर हैं उनको जागरूकता बढ़ाने से संरक्षित किया जा सकता है।
C. भारत में शेरों, चीतों (बाघों), भारतीय सारंग का शिकार अवैध है।

**Options**
1. (A) और (C) दोनों सही हैं।
2. (B) और (C) दोनों सही हैं।
3. (A), (B) और (C) सभी सही हैं।
4. (A) और (B) दोनों सही हैं।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.23** हमारे आस-पास रहने वाले बहुत से लोग गरीब हैं और उनके पास खाने या पहनने के लिए पर्याप्त नहीं है। कभी-कभी उनके पास रहने के लिए जगह भी नहीं होती है। इसका कारण है :-

**Options**
1. समाजीकरण
2. राजनीतिक अलगाव
3. असमानता
4. निरक्षरता

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Q.24**

**Options** 1.
कंपनी ने लागत में कटौती के लिए जान-बूझकर आवश्यक सुरक्षा उपायों की अनदेखी की।

2. श्रमिक संघों ने व्यावसायिक खतरों के बारे में कोई मुद्दा नहीं उठाया।

3.
श्रमिकों की जरूरतों और हितों की दोनों सरकार और निजी कंपनियों द्वारा अवहेलना की गई। श्रमिकों की जीवन की रक्षा के लिए कोई कानून या अधिकार नहीं थे।

4.
कंपनी ने अपने कर्मचारियों के लिए कोई जीवन बीमा पॉलिसी नहीं ली थी।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.25** निम्न जोड़ों पर विचार करे:

(A) रूढ़ प्रतीक – मानचित्रों की एक विश्वव्यापी भाषा होती है, जिसे सभी आसानी से समझ सकते हैं।
(B) रेखाचित्र - बड़े पैमाने पर छोटे क्षेत्र का आरेखण।
(C) खाका - एक आरेखण जो याद्दाश्त और स्थानीय प्रेक्षण पर आधारित होता है।

ऊपर दिए हुए जोड़ों में से कौन सा/से सही सुमेल है?

**Options**
1. केवल a और c
2. केवल a और b
3. केवल b और c
4. केवल a

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.26** मिलान करें –

a. विलियम जोन्स (i) अंग्रेजी भाषा का प्रसार
b. रबिन्द्रनाथ टैगोर (ii) प्राचीन संस्कृति का सम्मान
c. महात्मा गांधी (iii) अंग्रेजी शिक्षा के आलोचक
d. थामस मैकाले (iv) प्राकृतिक वातावरण में सीखना

**Options**
1. a-(iii), b-(ii), c-(iv), d-(i)
2. a-(iv), b-(ii), c-(iii), d-(i)
3. a-(ii), b-(iv), c-(iii), d-(i)
4. a-(i), b-(iv), c-(ii), d-(iii)

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.27** निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़िए। इनमें कौन से ज्ञानात्मक प्रक्रिया के 'विश्लेषण' पहलू का आकलन करते हैं?

A. देशांतरों और अक्षांशों के बीच भेद कीजिए।
B. ग्राम सभा क्या है?
C. अगर आपके घर में चोरी हुई है, तो आप किस पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराएँगे?
D. ईस्ट इंडिया कंपनी ने मुगल वंश के अंत की योजना कैसे बनाई?
E. ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा नियुक्त किए गए सिपाही असंतुष्ट क्यों थे?

विकल्पः

**Options**
1. A, D और E
2. C, D और E
3. B, C और D
4. A, B, C और D

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.28**

Options
1.
2. चेन्चु
3. मँगनीयार
4. बैगा

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.29** मानसून के दौरान मछुवारे समुन्द्र पर मछलियाँ पकड़ने नहीं जा सकते क्योंकि-

A. वर्षा के कारण बीमार हो सकते हैं।

B. नावें वर्षा के कारण उलट सकती हैं।

C. इस काल में मछलियाँ अंडे देती हैं।

सही विकल्प का चयन कीजिए।

Options
1. केवल B
2. केवल A
3. केवल C
4. A, B तथा C

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Q.30** इक़्तादार और जागीरदारों के विषय में कौन सा/से कथन सही है/हैं?

(A) ये पद विशिष्ट क्षेत्रों के नायकों/सैनिक को क्रमशः दिल्ली सल्तनत और मुगल शासन में दिये जाते थे।

(B) वे अपनी भूमि क्षेत्र जिसे क्रमशः इक़्ता और जागीर कहते थे, वहाँ रह कर, वहाँ का प्रशासन चलाते थे।

Options
1. दोनों (A) तथा (B)
2. केवल (B)
3. केवल (A)
4. न तो (A) न ही (B)

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.31**

**Options**
1.
2. अंतः -जनसंख्या शक्ति प्रस्तुति को।
3. अंतर-जनसंख्या शक्ति प्रस्तुति को।
4. अंतः -सामुदायिक वर्चस्व को।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.32** औपनिवेशिक भारत के सन्दर्भ में इन वक्तव्यों पर विचार करें और सही विकल्प ढूँढें –

A: अंग्रेजों ने जनजातियों के कल्याण के लिए वनो में गाँव बसाने
का निर्णय लिया।

B: औपनिवेशिक अधिकारियों ने जनजातियों को इस शर्त पर कि वे वन-विभाग के लिए श्रमिकों के रूप में काम करेंगे, वनों में कुछ टुकड़े भूमि पर झूम खेती की अनुमति दी।

**Options**
1. (A) असत्य और (B) सत्य हैं।
2. (A) और (B) दोनों सत्य हैं।
3. (A) और (B) दोनों असत्य हैं।
4. (A) सत्य और (B) असत्य हैं।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.33** इन वक्तव्यों पर विचार कर सही विकल्प चुनें—

A. जनसंख्या पिरामिड का चौड़ा आधार भविष्य में बढ़ती हुई श्रमिक शक्ति का संकेत देता है।

B. एक देश की जनसंख्या में बड़ी संख्या में छोटे बच्चों की संख्या होने से देश के लिए श्रम बाजार में आर्थिक लाभ की स्थि ति होती है

C. जनसंख्या पिरामिड का आधार मृत्यु-स्तर और शिखर जन्म-संख्या दर्शाता है।

**Options**
1. केवल (B) सत्य है।
2. केवल (B) तथा (C) सत्य हैं।
3. केवल (A) तथा (B) सत्य हैं।
4. केवल (A) सत्य है।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.34**

Options
1. B,C और D
2. B और D
3. A और C
4. A, B और C

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.35** निम्नलिखित को सामाजिक विज्ञान की कक्षा में नई संकल्पनाओं के शिक्षण के चरणों के क्रम में लगाएँ।

A. संकल्पना को स्पष्ट रूप से परिभाषित करें।
B. संकल्पना के उदाहरणों एवं गैर-उदाहरणों (नॉन-एक्ज़ाम्पल्स) को प्रस्तुत करें।
C. छात्रों को पूर्व अधिग्रहित संकल्पनाओं को नई संकल्पना से जोड़ने को कहें।
D. छात्रों के उपयुक्त पूर्व-संकल्पनाओं के ज्ञान को निर्धारित करें।
E. छात्रों को नए दृष्टान्तों में संकल्पना को प्रयोग में लाने को कहें।

Options
1. D, A, B, E और C
2. A, B, D, E और C
3. D, A, C, B और E
4. A, B, D, C और E

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.36** प्रारंभिक स्तर पर इतिहास के शिक्षण का मुख्य उद्देश्य है-

Options
1. आर्थिक नीतियों को समझना
2. भारत के लोगों और क्षेत्रों में विविधता को अपने क्षेत्र के संबंध में समझना और प्रशंसा करना।
3. उन प्रक्रियाओं में बदलाव व विकास पर समझ बनाना, जिनके द्वारा मानव समाज व सभ्यताएँ विकसित हुई हैं।
4. लोकतंत्र में जिम्मेदार और क्रियाशील नागरिकों के तौर पर विकसित करना।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.37**

**Options**
1.
2. देश की सरकार की संम्पत्ति
3. सरकार का विस्तृत कार्यक्षेत्र
4. देश की चुनी हुई सरकार

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Q.38** "मुझे इतिहास उबाऊ लगता है क्योंकि यह केवल तिथियों को याद करने के बारे में है"
समाजिक विज्ञान के अध्यापक के तौर पर इस तरह की समय संबंधित अवधारणा को दूर करने के लिए आप किस पर जोर देंगे?

**Options**
1. चर्चा करेंगे कि कैसे इतिहास लोगों, विचारों के बारे में है तथा कैसे शताब्दियों में संस्कृतियाँ और समाज बदल गए हैं।
2. विभिन्न घटनाओं के सन्दर्भ में छात्रों को भूमिका अदा करने पर।
3. ऐतिहासिक वृत्त-चित्र दिखाएँगे।
4. छात्रों को समझाएँगे कि इतिहास शासकों और उनके जीवन के बारे में है, जिसे जानना चाहिए।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.39** विद्यालय में मिड-डे मील बाँटने के दौरान दलित समुदाय से संबंधित विद्यार्थियों के समूह को अलग बैठने के लिए कहा गया। यह उनके मौलिक अधिकारों का हनन है। वे न्याय प्राप्त करने के लिए क्या कर सकते हैं?

a. वे इस कार्य के विरुद्ध विद्यालय प्रशासन को शिकायत कर सकते हैं।
b. वे एस.सी तथा एस.टी के लिए गठित राष्ट्रीय समिति के अध्यक्ष को शिकायत लिख सकते हैं?
c. वे विद्यालय प्रशासन के खिलाफ़ कोर्ट जाकर केस दाखिल कर सकते हैं।

**Options**
1. a, b तथा c
2. a तथा c
3. c तथा b
4. a तथा b

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.40**

कथन (A) व (B) को पढ़कर सही विकल्प का चयन करें।

कथन (A): कृषि-मजदूर काम की तलाश में शहरों में प्रवासन करते हैं।

कारण (R): कृषि और कारखानों का काम अल्पकालिक होने के कारण कृषि-मजदूरी और अल्पकालिक कारखाने में काम करना सरल हो जाता है।

सही विकल्प चुनें।

**Options**

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या करता है (A) की।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R) सही व्याख्या नहीं है (A) की।
3. (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
4. (A) और (R) दोनों गलत हैं।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.41**

अनुदेशन प्रक्रिया में ____________ मूल्यांकन होता है।

I. निदानात्मक आकलन

II. रचनात्मक आकलन

III. योगात्मक आकलन

IV. स्थानकरण आकलन

उपरोक्त में से कौन-सा विकल्प सही है।

**Options**

1. I और II
2. II और IV
3. I और III
4. III और IV

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.42**

**Options** 1.

2. मुख्यतः सामाजिक हाशियाकरण के मुद्दों को प्रस्तुत करे।

3. केवल पाठ्य-पुस्तक की विषय-सूची (वस्तु) पर संवेदनात्मक तरीके से चर्चा करें।

4. कक्षा में चर्चा के दौरान विभिन्न स्थानीय उदाहरणों को प्रस्तुत करें।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.43** जनजातियों के हाशियाकरण से निपटने के लिए कौन सा तरीका उचित है?

**Options**

1. जनजातीय इतिहास प्रस्तुत करना
2. जनजातियों को आंदोलित (वाइब्रेंट) दर्शित करना
3. जनजातियों को अन्य स्थानिक आकर्षक रूप में चित्रित करना
4. उनके लिए नृत्य प्रदर्शन का आयोजन करना

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.44** सुधार आंदोलनों को उनके उद्गम स्थान से मिलान करें –

| | |
|---|---|
| a. वेद समाज | (i) लाहौर |
| b. प्रार्थना समाज | (ii) मद्रास |
| c. सिहँ सभा | (iii) बम्बई |

सही विकल्प का चुनाव कीजिए -

**Options**

1. a-(i), b-(ii), c-(iii)
2. a-(iii), b-(ii), c-(i)
3. a-(ii), b-(iii), c-(i)
4. a-(ii), b-(i), c-(iii)

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.45**

**Options**
1.
2. G.S.T. फंड का दो राज्यों में बंटवारे से सम्बंधित झगड़ा
3. संरक्षित क्षेत्र में रेल मार्ग के निर्माण से सम्बंधित झगड़ा
4. भगोड़ों की संपत्ति से सम्बंधित झगड़ा

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Q.46** लोकतंत्र और अधिकारों के बीच अंतर्संबंध के बारे में कौन सा कथन अधिक मान्य है?

**Options**
1. प्रत्येक व्यक्ति को अधिकार दिए जाते हैं लेकिन अनिवार्य रूप से नहीं।
2. प्रत्येक देश जो लोकतंत्र है, अपने नागरिकों को अधिकार देता है।
3. प्रत्येक देश जो अपने नागरिकों को अधिकार देता है वह लोकतंत्र है।
4. प्रत्येक लोकतांत्रिक देश अपनी सेना को अधिकार देता है।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.47** "मुस्लिम समुदाय एक हाशियाकृत समुदाय है" इस विषय पर होने वाली एक वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए छात्रों की एक सामाजिक विज्ञान अध्यापक के रूप में किस प्रकार सहायता करेंगे?

a. उन्हें वर्ष 2011 की भारत की जनगणना रिपोर्ट का अवलोकन करने के लिए कहेंगे।
b. उन्हें संविधान में अल्पसंख्यकों के विषय में दिए गए अनुच्छेदों को पढ़ने के लिए कहेंगे।
c. उन्हें मुस्लिम पड़ोस में ले जाएँगे।
d. लोकसेवाओं में मुस्लिमों की संख्यासंबंधी डाटा कक्षा में लाकर।

**Options**
1. a, b, c और d
2. b, c और d
3. a, b और c
4. a, b और d

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.48** सही विकल्प के साथ मिलान करें।

a. बीकानेर (i) आर्द्र

b. मुम्बई (ii) वर्षाक्षेत्र

c. मौसिनराम (iii) गर्म

d. द्रास (iv) ठंडा

**Options**
1. a-(ii), b-(iv), c-(i), d-(iii)
2. a-(iv), b-(ii), c-(iii), d-(i)
3. a-(iii), b-(i), c-(ii), d-(iv)
4. a-(iv), b-(iii), c-(ii), d-(i)

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.49** "प्रारम्भिक स्तर पर तेरहवीं शताब्दी से उत्तरी भारत में नए धार्मिक विकास" विषय का परिचय देने तथा व्याख्या करने के लिए शिक्षिका द्वारा निम्नलिखित में से कौन सी युक्तियाँ लगाई/अपनाई जा सकती है?

a. शिक्षिका निर्गुण भजन गा सकती है
b. शिक्षिका शबद कीर्तन की रिकार्डिंग चला सकती है
c. शिक्षिका रामचरितमानस की चौपाई गा सकती है
d. वह विद्यार्थियों को नामघर घुमाने ले जा सकती है

**Options**
1. a, b और c
2. a, b, c और d
3. a, b और d
4. b, c और d

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.50** कक्षायी प्रक्रियाओं में पाठ्य-पुस्तकों की भूमिका के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

A. पाठ्य-पुस्तक में दी हुई प्रश्नावली एक शिक्षक की सहायता करती है, यह जानने में कि पाठ में जो कुछ पढ़ाया गया है, वह छात्र को किस सीमा/हद तक समझ आ गया है।
B. वे पढ़ाए जाने वाले पाठ की लय को बाधित करती हैं।
C. वे विद्यार्थियों को जो कुछ भी कक्षा में पहले पढ़ाया गया है, उसे याद करने तथा उससे संबंध बनाने में सहायता करती हैं।

**Options**
1. केवल A तथा B
2. केवल A तथा C
3. केवल B तथा C
4. A, B तथा C

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

Q.51

Options 1.

2. 18

3. 24

4. 21

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

Q.52 सामाजिक विज्ञान शिक्षण में सामाजिक रचनावाद बल देता है:

Options 1. परीक्षा-आधारित अधिगम पर

2. निष्क्रिय अधिगम पर

3. प्रयोगात्मक अधिगम पर

4. सूचना-आधारित अधिगम पर

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

Q.53 निम्न कथनों तथा पर विचार कीजिए तथा सही विकल्प का चुनाव कीजिए।

A. ध्रुव बर्फ़ से ढके हुए हैं क्योंकि आपतन की मात्रा भूमध्यरेखा से ध्रुवों की ओर बढ़ती है।

B. ध्रुव उच्च अक्षांशों पर है और सूर्य की किरणें यहाँ तिरछी पड़ती हैं।

Options 1. (A) गलत है, (B) सही है।

2. दोनों (A) तथा (B) सही हैं, किन्तु (B), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

3. दोनों (A) तथा (B) सही हैं तथा (B), (A) की सही व्याख्या करता है।

4. (A) सही है, (B) गलत है।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.54**

**Options** 1.

2. इनका स्वामित्व गरीब जनता के पास है।

3. वे कहानी तैयार करने के लिए कोई एजेंडा (मसौदा) तय करते हैं।

4. वे कम मूल्य में प्रसारण सुनिश्चित करते हैं।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.55** "बन्दगाँ" शब्द को मध्ययुगीन काल में किसके लिए इस्तेमाल किया गया?

**Options**

1. कुलीन (प्रभावशाली)
2. गवर्नर
3. गुलामों
4. आभिजात वर्गीय

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.56** निम्नलिखित कथनों (A) तथा (B) पर विचार करें।
कथन (A): हेनरी विवियन डेरोज़िया के विद्यार्थियों ने परम्पराओं और नीतियों का खंडन किया, उन्होंने स्त्रियों के लिए शिक्षा की माँग की और विचार एवं अभिव्यक्ति की आजादी के लिए अभियान चलाया।
कथन (B): हेनरी के विचार आमूल परिवर्तनकारी थे तथा उन्होंने अपने शिष्यों को सभी प्रकार की सत्ता पर प्रश्न उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।
सही विकल्प चुनें।

**Options**

1. (A) और (B) दोनों सही हैं, लेकिन (B) सही व्याख्या नहीं है (A) की।
2. (A) सही है लेकिन (B) गलत है।
3. (A) और (B) दोनों सही हैं और (B) सही व्याख्या करता है (A) की।
4. (A) और (B) दोनों गलत हैं।

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.57** निम्नलिखित में से कौन सा प्रश्न ज्ञानात्मक प्रक्रिया के 'समझ' पहलू का आकलन करता है?

A. कृषि-विकास शब्द से आप क्या समझते हैं?

B. लोगों को एक संसाधन की तरह क्यों माना जाता है?

C. जनसंख्या विस्फोट को परिभाषित कीजिए।

D. तीन विशेषताओं को सूचीबद्ध कीजिए, जो जनसंख्या बदलाव/ परिवर्तन का कारण बनती हैं।

E. एक नए कानून के विधिकरण लागू होने में नागरिक क्या भूमिका निभा सकते हैं?

विकल्पः

**Options**

1. A, B और E
2. A, C, D और E
3. B, C और D
4. A, B, C और D

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Q.58** निम्न वक्तव्यों पर विचार कर सही विकल्प चुनें---

A: आमूल परिवर्तनवादी नेता मध्यमार्गवादी नेताओं की आलोचना उनके आत्मनिर्भरता और रचनात्मक कार्यों पर जोर देने के कारण करते थे।

B: आमूलपरिवर्तनवादी नेताओं का तर्क था कि लोगों को सरकार के नेक इरादों के भरोसे नहीं रहना चाहिए।

C: आमूलपरिवर्तनवादी 'निवेदन की राजनीति' में विश्वास करते थे।

**Options**

1. केवल (A) सत्य है
2. केवल (B) तथा (C) सत्य हैं
3. केवल (A) तथा (B) सत्य हैं
4. केवल (B) सत्य है

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.59** "उद्योग और उसके प्रकार्य" के शिक्षण के समय अध्यापक ने नदियों में अपशिष्ट के निकास के चित्र दिखाए एवं उसके बाद चर्चा की।
अध्यापक का उद्देश्य है:
A. उद्योग की संकल्पना को सुदृढ़ करना
B. उद्योगों की निकास व्यवस्था को समझाना
C. अपशिष्ट के प्रबंधन को समझना
D. प्रदूषण के प्रति संवेदनशील बनाना
उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए:

**Options**
1. B, C और D
2. A, C और D
3. A, B और C
4. A, B और D

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Q.60** किस देशांतर को भारत के लिए मानक याम्योत्तर माना गया है।

**Options**
1. 81 ° 30 प.
2. 81 ° 30 पू.
3. 82 ° 30 प.
4. 82 ° 30 पू.

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

Section : **Language I**

**Comprehension:**

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चयन कर दीजिए।

लोकमान्य तिलक का कथन है - "मैं नरक में भी पुस्तकों का स्वागत करुँगा, क्योंकि इनमें वह शक्ति है कि जहाँ वे होंगी, वहाँ अपने-आप स्वर्ग बन जाएगा"। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य, समाज और राष्ट्र का मार्गदर्शन करती हैं। संसार के इतिहास पर दृष्टिपात करने पर हम देखते हैं कि संसार की अनेक महान विभूतियों पर किसी- न- किसी श्रेष्ठ पुस्तक का प्रभाव पड़ा। महात्मा गांधी, टालस्टॉय, अब्राहिम लिंकन सभी के जीवन में श्रेष्ठ पुस्तकों का महत्वपूर्ण योगदान था। लेनिन में क्रान्ति की भावना कार्ल मार्क्स के साहित्य को पढ़कर ही जागी थी। गुप्तकाल को भारतीय इतिहास का "स्वर्ण युग" कहा जाता है क्योंकि उस काल में अत्यन्त उत्कृष्ट पुस्तकों की रचना हुई। विचारों के युद्ध में पुस्तकें ही अस्त्र हैं क्योंकि पुस्तकों का हमारे विचारों पर अत्यन्त गहरा प्रभाव पड़ता है। श्रेष्ठ पुस्तकों के विचार ही समाज की काया पलट कर देते हैं। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य की सात्विक वृत्तियों को जागृत करती हैं तथा उसे असत्य से सत्य की ओर, अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलती हैं।

**SubQuestion No : 1**

**Q.1** तिलक ने नरक में भी पुस्तकों का स्वागत करने की बात की, क्योंकि-

1. पुस्तक पढ़ने में समय व्यतीत हो जाता है।
2. पुस्तकें मनुष्य को देवता बना देती हैं।
3. पुस्तकें प्रतिकूल को अनुकूल करने की क्षमता रखती हैं।
4. अधिकतर पुस्तकें दुख में ही ले जाती हैं।

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Comprehension:**

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चयन कर दीजिए।

लोकमान्य तिलक का कथन है - "मैं नरक में भी पुस्तकों का स्वागत करुँगा, क्योंकि इनमें वह शक्ति है कि जहाँ वे होंगी, वहाँ अपने-आप स्वर्ग बन जाएगा"। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य, समाज और राष्ट्र का मार्गदर्शन करती हैं। संसार के इतिहास पर दृष्टिपात करने पर हम देखते हैं कि संसार की अनेक महान विभूतियों पर किसी- न- किसी श्रेष्ठ पुस्तक का प्रभाव पड़ा। महात्मा गांधी, टालस्टॉय, अब्राहिम लिंकन सभी के जीवन में श्रेष्ठ पुस्तकों का महत्वपूर्ण योगदान था। लेनिन में क्रान्ति की भावना कार्ल मार्क्स के साहित्य को पढ़कर ही जागी थी। गुप्तकाल को भारतीय इतिहास का "स्वर्ण युग" कहा जाता है क्योंकि उस काल में अत्यन्त उत्कृष्ट पुस्तकों की रचना हुई। विचारों के युद्ध में पुस्तकें ही अस्त्र हैं क्योंकि पुस्तकों का हमारे विचारों पर अत्यन्त गहरा प्रभाव पड़ता है। श्रेष्ठ पुस्तकों के विचार ही समाज की काया पलट कर देते हैं। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य की सात्विक वृत्तियों को जागृत करती हैं तथा उसे असत्य से सत्य की ओर, अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलती हैं।

**SubQuestion No : 2**

**Q.2** श्रेष्ठ पुस्तक का व्यक्ति पर क्या प्रभाव पड़ता है?

1) जाति का उत्कर्ष होता है।
2) सात्विक वृत्तियाँ जागृत होती हैं।
3) व्यक्ति महान विभूति बनता है।
4) स्वर्ग में जाने का मार्ग मिल जाता है।

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Comprehension:**

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चयन कर दीजिए।

लोकमान्य तिलक का कथन है - "मैं नरक में भी पुस्तकों का स्वागत करुँगा, क्योंकि इनमें वह शक्ति है कि जहाँ वे होंगी, वहाँ अपने-आप स्वर्ग बन जाएगा"। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य, समाज और राष्ट्र का मार्गदर्शन करती हैं। संसार के इतिहास पर दृष्टिपात करने पर हम देखते हैं कि संसार की अनेक महान विभूतियों पर किसी- न-किसी श्रेष्ठ पुस्तक का प्रभाव पड़ा। महात्मा गांधी, टालस्टॉय, अब्राहिम लिंकन सभी के जीवन में श्रेष्ठ पुस्तकों का महत्वपूर्ण योगदान था। लेनिन में क्रान्ति की भावना कार्ल मार्क्स के साहित्य को पढ़कर ही जागी थी। गुप्तकाल को भारतीय इतिहास का "स्वर्ण युग" कहा जाता है क्योंकि उस काल में अत्यन्त उत्कृष्ट पुस्तकों की रचना हुई। विचारों के युद्ध में पुस्तकें ही अस्त्र हैं क्योंकि पुस्तकों का हमारे विचारों पर अत्यन्त गहरा प्रभाव पड़ता है। श्रेष्ठ पुस्तकों के विचार ही समाज की काया पलट कर देते हैं। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य की सात्विक वृत्तियों को जागृत करती हैं तथा उसे असत्य से सत्य की ओर, अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलती हैं।

**SubQuestion No : 3**

**Q.3** 'विचारों के युद्ध में पुस्तकें ही अस्त्र हैं', से तात्पर्य है-

1) पुस्तकें सही मार्ग दिखाती हैं।
2) पुस्तकें अच्छा अस्त्र हैं।
3) पुस्तकें लड़ने का सही तरीका सिखाती हैं।
4) पुस्तकें सदा विजयी होती हैं।

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Comprehension:**

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चयन कर दीजिए।

लोकमान्य तिलक का कथन है - "मैं नरक में भी पुस्तकों का स्वागत करुँगा, क्योंकि इनमें वह शक्ति है कि जहाँ वे होंगी, वहाँ अपने-आप स्वर्ग बन जाएगा"। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य, समाज और राष्ट्र का मार्गदर्शन करती हैं। संसार के इतिहास पर दृष्टिपात करने पर हम देखते हैं कि संसार की अनेक महान विभूतियों पर किसी- न- किसी श्रेष्ठ पुस्तक का प्रभाव पड़ा। महात्मा गांधी, टालस्टॉय, अब्राहिम लिंकन सभी के जीवन में श्रेष्ठ पुस्तकों का महत्वपूर्ण योगदान था। लेनिन में क्रान्ति की भावना कार्ल मार्क्स के साहित्य को पढ़कर ही जागी थी। गुप्तकाल को भारतीय इतिहास का "स्वर्ण युग" कहा जाता है क्योंकि उस काल में अत्यन्त उत्कृष्ट पुस्तकों की रचना हुई। विचारों के युद्ध में पुस्तकें ही अस्त्र हैं क्योंकि पुस्तकों का हमारे विचारों पर अत्यन्त गहरा प्रभाव पड़ता है। श्रेष्ठ पुस्तकों के विचार ही समाज की काया पलट कर देते हैं। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य की सात्विक वृत्तियों को जागृत करती हैं तथा उसे असत्य से सत्य की ओर, अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलती हैं।

**SubQuestion No : 4**

**Q.4** इनमें से विशेषण-विशेष्य है-

1. काया पलट
2. स्वर्ण युग
3. राष्ट्र निर्माण
4. स्वर्ग-नरक

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Comprehension:**

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चयन कर दीजिए।

लोकमान्य तिलक का कथन है - "मैं नरक में भी पुस्तकों का स्वागत करुँगा, क्योंकि इनमें वह शक्ति है कि जहाँ वे होंगी, वहाँ अपने-आप स्वर्ग बन जाएगा"। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य, समाज और राष्ट्र का मार्गदर्शन करती हैं। संसार के इतिहास पर दृष्टिपात करने पर हम देखते हैं कि संसार की अनेक महान विभूतियों पर किसी- न-किसी श्रेष्ठ पुस्तक का प्रभाव पड़ा। महात्मा गांधी, टालस्टॉय, अब्राहिम लिंकन सभी के जीवन में श्रेष्ठ पुस्तकों का महत्वपूर्ण योगदान था। लेनिन में क्रान्ति की भावना कार्ल मार्क्स के साहित्य को पढ़कर ही जागी थी। गुप्तकाल को भारतीय इतिहास का "स्वर्ण युग" कहा जाता है क्योंकि उस काल में अत्यन्त उत्कृष्ट पुस्तकों की रचना हुई। विचारों के युद्ध में पुस्तकें ही अस्त्र हैं क्योंकि पुस्तकों का हमारे विचारों पर अत्यन्त गहरा प्रभाव पड़ता है। श्रेष्ठ पुस्तकों के विचार ही समाज की काया पलट कर देते हैं। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य की सात्विक वृत्तियों को जागृत करती हैं तथा उसे असत्य से सत्य की ओर, अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलती हैं।

**SubQuestion No : 5**

**Q.5** गुप्तकाल को भारतीय इतिहास का 'स्वर्ण युग' कहते हैं, क्योंकि-

1. उस काल में अनेक पुस्तकों की रचना हुई थी।
2. उस काल में उत्कृष्ट पुस्तकों की रचना हुई थी।
3. उस काल में क्रांति की भावना जागृत हुई थी।
4. उस काल में पुस्तकें ही अस्त्र थीं।

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Comprehension:**

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चयन कर दीजिए।

लोकमान्य तिलक का कथन है - "मैं नरक में भी पुस्तकों का स्वागत करूँगा, क्योंकि इनमें वह शक्ति है कि जहाँ वे होंगी, वहाँ अपने-आप स्वर्ग बन जाएगा"। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य, समाज और राष्ट्र का मार्गदर्शन करती हैं। संसार के इतिहास पर दृष्टिपात करने पर हम देखते हैं कि संसार की अनेक महान विभूतियों पर किसी- न- किसी श्रेष्ठ पुस्तक का प्रभाव पड़ा। महात्मा गांधी, टालस्टॉय, अब्राहिम लिंकन सभी के जीवन में श्रेष्ठ पुस्तकों का महत्वपूर्ण योगदान था। लेनिन में क्रान्ति की भावना कार्ल मार्क्स के साहित्य को पढ़कर ही जागी थी। गुप्तकाल को भारतीय इतिहास का "स्वर्ण युग" कहा जाता है क्योंकि उस काल में अत्यन्त उत्कृष्ट पुस्तकों की रचना हुई। विचारों के युद्ध में पुस्तकें ही अस्त्र हैं क्योंकि पुस्तकों का हमारे विचारों पर अत्यन्त गहरा प्रभाव पड़ता है। श्रेष्ठ पुस्तकों के विचार ही समाज की काया पलट कर देते हैं। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य की सात्विक वृत्तियों को जागृत करती हैं तथा उसे असत्य से सत्य की ओर, अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलती हैं।

**SubQuestion No : 6**

**Q.6** किसके साहित्य को पढ़कर लेनिन में क्राँति की भावना जागी थी?

1. टालस्टॉय
2. अब्राहिम लिंकन
3. महात्मा गांधी
4. कार्ल मार्क्स

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Comprehension:**

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चयन कर दीजिए।

लोकमान्य तिलक का कथन है - "मैं नरक में भी पुस्तकों का स्वागत करुँगा, क्योंकि इनमें वह शक्ति है कि जहाँ वे होंगी, वहाँ अपने-आप स्वर्ग बन जाएगा"। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य, समाज और राष्ट्र का मार्गदर्शन करती हैं। संसार के इतिहास पर दृष्टिपात करने पर हम देखते हैं कि संसार की अनेक महान विभूतियों पर किसी- न- किसी श्रेष्ठ पुस्तक का प्रभाव पड़ा। महात्मा गांधी, टालस्टॉय, अब्राहिम लिंकन सभी के जीवन में श्रेष्ठ पुस्तकों का महत्वपूर्ण योगदान था। लेनिन में क्रान्ति की भावना कार्ल मार्क्स के साहित्य को पढ़कर ही जागी थी। गुप्तकाल को भारतीय इतिहास का "स्वर्ण युग" कहा जाता है क्योंकि उस काल में अत्यन्त उत्कृष्ट पुस्तकों की रचना हुई। विचारों के युद्ध में पुस्तकें ही अस्त्र हैं क्योंकि पुस्तकों का हमारे विचारों पर अत्यन्त गहरा प्रभाव पड़ता है। श्रेष्ठ पुस्तकों के विचार ही समाज की काया पलट कर देते हैं। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य की सात्विक वृत्तियों को जागृत करती हैं तथा उसे असत्य से सत्य की ओर, अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलती हैं।

**SubQuestion No : 7**

**Q.7** 'उत्कर्ष' का विलोम शब्द होगा-

1. कीर्ति
2. उन्नति
3. अपकर्ष
4. अवनति

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Comprehension:**

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चयन कर दीजिए।

लोकमान्य तिलक का कथन है - "मैं नरक में भी पुस्तकों का स्वागत करुँगा, क्योंकि इनमें वह शक्ति है कि जहाँ वे होंगी, वहाँ अपने-आप स्वर्ग बन जाएगा"। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य, समाज और राष्ट्र का मार्गदर्शन करती हैं। संसार के इतिहास पर दृष्टिपात करने पर हम देखते हैं कि संसार की अनेक महान विभूतियों पर किसी- न-किसी श्रेष्ठ पुस्तक का प्रभाव पड़ा। महात्मा गांधी, टालस्टॉय, अब्राहिम लिंकन सभी के जीवन में श्रेष्ठ पुस्तकों का महत्वपूर्ण योगदान था। लेनिन में क्रान्ति की भावना कार्ल मार्क्स के साहित्य को पढ़कर ही जागी थी। गुप्तकाल को भारतीय इतिहास का "स्वर्ण युग" कहा जाता है क्योंकि उस काल में अत्यन्त उत्कृष्ट पुस्तकों की रचना हुई। विचारों के युद्ध में पुस्तकें ही अस्त्र हैं क्योंकि पुस्तकों का हमारे विचारों पर अत्यन्त गहरा प्रभाव पड़ता है। श्रेष्ठ पुस्तकों के विचार ही समाज की काया पलट कर देते हैं। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य की सात्विक वृत्तियों को जागृत करती हैं तथा उसे असत्य से सत्य की ओर, अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलती हैं।

**SubQuestion No : 8**

**Q.8** 'श्रेष्ठ' का शाब्दिक अर्थ होगा-

1. उत्कृष्ट
2. अत्यधिक
3. सबसे ज्यादा
4. आधुनिक

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Comprehension:**

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चयन कर दीजिए।

लोकमान्य तिलक का कथन है - "मैं नरक में भी पुस्तकों का स्वागत करुँगा, क्योंकि इनमें वह शक्ति है कि जहाँ वे होंगी, वहाँ अपने-आप स्वर्ग बन जाएगा"। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य, समाज और राष्ट्र का मार्गदर्शन करती हैं। संसार के इतिहास पर दृष्टिपात करने पर हम देखते हैं कि संसार की अनेक महान विभूतियों पर किसी- न-किसी श्रेष्ठ पुस्तक का प्रभाव पड़ा। महात्मा गांधी, टालस्टॉय, अब्राहिम लिंकन सभी के जीवन में श्रेष्ठ पुस्तकों का महत्वपूर्ण योगदान था। लेनिन में क्रान्ति की भावना कार्ल मार्क्स के साहित्य को पढ़कर ही जागी थी। गुप्तकाल को भारतीय इतिहास का "स्वर्ण युग" कहा जाता है क्योंकि उस काल में अत्यन्त उत्कृष्ट पुस्तकों की रचना हुई। विचारों के युद्ध में पुस्तकें ही अस्त्र हैं क्योंकि पुस्तकों का हमारे विचारों पर अत्यन्त गहरा प्रभाव पड़ता है। श्रेष्ठ पुस्तकों के विचार ही समाज की काया पलट कर देते हैं। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य की सात्विक वृत्तियों को जागृत करती हैं तथा उसे असत्य से सत्य की ओर, अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलती हैं।

**SubQuestion No : 9**

**Q.9** 'देवता' का पर्यायवाची नहीं होगा-

1. अमर्त्य
2. सुर
3. दैत्य
4. वसु

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Comprehension:**

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

अंत:करण कहे, हे जननी, मैं तेरा, तू मेरी है।
मेरे लेखे ज्ञान ध्यान तू, तू रत्नों की ढेरी है।
तेरी धूल स्वर्ग सिंहासन से भी मुझे सुन्दर है।
तेरी रज का एक-एक कण हीरे से भी बढ़कर है।
तू ही धर्म-कर्म, जप-तप-व्रत, तू ही योग-भोग सब है।
अपनी ही ममता माता दे हम लोगों को आज सिखा
शक्ति रूप से आकर आगे अन्नपूर्णा रूप दिखा।

**SubQuestion No : 10**

**Q.10** 'हे जननी' कहकर कवि ने किसे संबोधित किया है?

1. माता को
2. मातृभूमि को
3. संसार को
4. देवी माँ को

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Comprehension:**

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

अंत:करण कहे, हे जननी, मैं तेरा, तू मेरी है।
मेरे लेखे ज्ञान ध्यान तू, तू रत्नों की ढेरी है।
तेरी धूल स्वर्ग सिंहासन से भी मुझे सुन्दर है।
तेरी रज का एक-एक कण हीरे से भी बढ़कर है।
तू ही धर्म-कर्म, जप-तप-व्रत, तू ही योग-भोग सब है।
अपनी ही ममता माता दे हम लोगों को आज सिखा
शक्ति रूप से आकर आगे अन्नपूर्णा रूप दिखा।

**SubQuestion No : 11**

**Q.11** तू ही योग-भोग सब है।

रेखांकित शब्द में कौन-सा समास है?

1. तत्पुरुष समास
2. द्वन्द्व समास
3. अव्ययीभाव समास
4. कर्मधारय समास

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Comprehension:**

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

अंत:करण कहे, हे जननी, मैं तेरा, तू मेरी है।
मेरे लेखे ज्ञान ध्यान तू, तू रत्नों की ढेरी है।
तेरी धूल स्वर्ग सिंहासन से भी मुझे सुन्दर है।
तेरी रज का एक-एक कण हीरे से भी बढ़कर है।
तू ही धर्म-कर्म, जप-तप-व्रत, तू ही योग-भोग सब है।
अपनी ही ममता माता दे हम लोगों को आज सिखा
शक्ति रूप से आकर आगे अन्नपूर्णा रूप दिखा।

**SubQuestion No : 12**

**Q.12** अन्नपूर्णा का शाब्दिक अर्थ होगा-

1. धान्य की अधिष्ठात्री
2. धन की अधिष्ठात्री
3. स्वर्ग की अधिष्ठात्री
4. शक्ति की अधिष्ठात्री

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Comprehension:**

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

अंत:करण कहे, हे जननी, मैं तेरा, तू मेरी है।
मेरे लेखे ज्ञान ध्यान तू, तू रत्नों की ढेरी है।
तेरी धूल स्वर्ग सिंहासन से भी मुझे सुन्दर है।
तेरी रज का एक-एक कण हीरे से भी बढ़कर है।
तू ही धर्म-कर्म, जप-तप-व्रत, तू ही योग-भोग सब है।
अपनी ही ममता माता दे हम लोगों को आज सिखा
शक्ति रूप से आकर आगे अन्नपूर्णा रूप दिखा।

**SubQuestion No : 13**

**Q.13** कविता में कवि ने रज का एक-एक कण किससे बढ़कर बताया है?

1. जप से
2. धर्म से
3. योग से
4. हीरे से

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Comprehension:**

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

अंत:करण कहे, हे जननी, मैं तेरा, तू मेरी है।
मेरे लेखे ज्ञान ध्यान तू, तू रत्नों की ढेरी है।
तेरी धूल स्वर्ग सिंहासन से भी मुझे सुन्दर है।
तेरी रज का एक-एक कण हीरे से भी बढ़कर है।
तू ही धर्म-कर्म, जप-तप-व्रत, तू ही योग-भोग सब है।
अपनी ही ममता माता दे हम लोगों को आज सिखा
शक्ति रूप से आकर आगे अन्नपूर्णा रूप दिखा।

**SubQuestion No : 14**

**Q.14** कवि के अनुसार स्वर्ग सिंहासन से भी सुंदर क्या है?

1. जन्मभूमि का ध्यान
2. जन्मभूमि की धूल
3. जन्मभूमि के रत्न
4. जन्मभूमि की ममता

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Comprehension:**

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

अंत:करण कहे, हे जननी, मैं तेरा, तू मेरी है।
मेरे लेखे ज्ञान ध्यान तू, तू रत्नों की ढेरी है।
तेरी धूल स्वर्ग सिंहासन से भी मुझे सुन्दर है।
तेरी रज का एक-एक कण हीरे से भी बढ़कर है।
तू ही धर्म-कर्म, जप-तप-व्रत, तू ही योग-भोग सब है।
अपनी ही ममता माता दे हम लोगों को आज सिखा
शक्ति रूप से आकर आगे अन्नपूर्णा रूप दिखा।

**SubQuestion No : 15**

**Q.15** उपर्युक्त कविता में कवि क्या सीखना चाहता है?

1. ध्यान
2. कर्म
3. व्रत
4. ममता

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.16** कक्षा VIII की एक अध्यापिका जब व्याकरणिक विषय 'वाच्य' पढ़ा रही है तब शिक्षार्थियों को एक कहानी/ पठन सामग्री पढ़ने के लिए कहती है, जिसमें कर्तृवाच्य से संबंधित अनेक कथन/वाक्य आए हैं और उन्हें कर्मवाच्य में बदलने के लिए अपनी सहायता देती है। वह उन्हें स्वयं से करने के लिए और अनेक उदाहरण देती है। तत्पश्चात् वह कर्तृवाच्य को कर्मवाच्य में बदलने के तरीके तथा कैसे, क्रिया का रूप बदलता है तथा कर्मवाच्य में बदलते समय कर्ता के साथ 'द्वारा अथवा के द्वारा आदि लगता है' की ओर ध्यान खींचती है। इस तकनीक को किस रूप में जाना जाता है?

1. अध्ययन के साथ-साथ अभ्यास
2. सचेतनता में वृद्धि
3. वाच्य रूपान्तरण
4. परम्परागत व्याकरणिक ज्ञान

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.17** आना, जाना, हँसना ये शब्द किस रूप में जाने जाते हैं?

1. पाठ्य सामग्री शब्द
2. क्रिया शब्द
3. योजक शब्द
4. सम्बद्धता के संकेतक

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.18** एक पाठक किसी बैठक में अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए 'प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के सीखने पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव' विषय पर पठन सामग्री से संकेत लेती/ लेता है। इस प्रकार का पठन क्या कहलाता है ?

1. प्रतिबिंबात्मक पठन
2. तार्किक पठन
3. सरसरी तौर पर पढ़ना
4. बारीकी से पढ़ना

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.19** 'बोधगम्य निवेश' के रूप में i+1 का सिद्धान्त प्रस्तावित करता है-

1. शिक्षार्थियों को उनकी भाषा के स्तर तथा संरचना के अनुसार भाषा उपलब्ध करानी चाहिए।
2. शिक्षार्थियों को अपनी पाठ्य-पुस्तक तथा शिक्षक के माध्यम से अवसर मिलने चाहिए।
3. शिक्षार्थियों को उनकी भाषा के स्तर से थोड़ा ऊपर भाषा के अवसर प्रदान करने चाहिए।
4. शिक्षार्थियों के स्तर से ऊपर पाठ्य सामग्रियों के अवसर उपलब्ध कराने चाहिए।

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.20**

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.21** अधिगम का कौन-सा सिद्धान्त कहता है कि विकास का स्रोत व्यक्ति की बजाय परिवेश में है।

1. व्यवहारवाद
2. सहजात्यवाद
3. संप्रेषणात्मक भाषा शिक्षण
4. सामाजिक रचनावाद

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.22** कल्पना कीजिए कि किसी एक कहानी में आपका वर्णन है-
अपने मित्र को अपने उस दिन का अनुभव बताते हुए पत्र लिखिए। निम्नलिखित लेखन कार्य को क्या कहते हैं?

1. रचनात्मक लेखन
2. पत्र लेखन
3. एक्सट्रापोलेटिव लेखन (किसी के स्थान पर स्वयं को रखकर कल्पना कर लिखना)
4. दीर्घ उत्तर लेखन

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.23** एक लघु कथा पढ़ते समय कौन सी 'पठन के साथ की गतिविधि' हो सकती है?

1. शिक्षार्थी कहानी की घटनाओं के पूर्वानुमान के लिए चर्चा करते हैं।
2. शिक्षार्थी जोड़े में काम करते हैं और एक दूसरे को पढ़कर सुनाते हैं।
3. शिक्षार्थी रचनाकार के आत्मकथात्मक तथ्यों पर चर्चा करते हैं।
4. शिक्षक नए शब्दों के अर्थ पूछता है/पूछती है।

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Q.24** भाषा आकलन का लक्ष्य__________ मापना है।

1. प्रत्येक शिक्षार्थी की अपने सहपाठी की तुलना में उपलब्धि।
2. उनकी समग्र अथवा संकलनात्मक उपलब्धि।
3. शिक्षार्थियों की भाषा उपलब्धि।
4. शिक्षार्थियों की भाषा निपुणता।

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Q.25** मातृभाषा पर आधारित बहुभाषिकता का अर्थ है-

1. विद्यालय में अनेक भाषाओं में सीखना।
2. शिक्षार्थी अपनी विद्यालयी शिक्षा, मातृभाषा/घर की भाषा में, आरम्भ करते हैं तथा कम से कम दो भाषाएँ और सीखते हैं।
3. शिक्षार्थी अपनी क्षेत्रीय भाषा, राज्य की भाषा, हिन्दी, अंग्रेजी, शास्त्रीय भाषाएँ तथा विदेशी भाषाएँ सीखते हैं।
4. शिक्षार्थी राज्य की भाषा के माध्यम से सीखते हैं तथा उसके साथ हिन्दी और अंग्रेजी सीखते हैं।

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.26** निम्नलिखित में से कौन-सा भाषा के संबंध में सत्य है?

1. भाषा एक वैज्ञानिक व्यवस्था है।
2. भाषा लिखी जाती है जिसका अर्थ होता है।
3. भाषा व्यवस्थाओं की व्यवस्था है।
4. भाषा में संरचनाएँ तथा आकृतियाँ हैं।

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.27** आधारभूत अंत: वैयक्तिक संप्रेषणात्मक कौशल को कहते हैं-

1. उच्चस्तरीय भाषायी कौशल।
2. सारांश की भाषा।
3. दिन-प्रतिदिन के संप्रेषण के लिए प्रयुक्त भाषा।
4. भाषा सीखने से भाषा की निपुणता तक पहुँचने के लिए सीखना (इंटर लैंग्वेज)

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.28** निम्नलिखित में से कौन-सा संस्थात्मक लेखन के अन्तर्गत **नहीं** आता है?

a. समीक्षाएँ
b. व्यक्तिगत विवरण
c. शोक संदेश
d. डायरी प्रविष्टि

1. a तथा b
2. c तथा d
3. b तथा c
4. d तथा a

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.29** निम्नलिखित में से कौन सा एक काव्य का अंग नहीं है?

1. उपमा
2. चरित्र चित्रण
3. बिम्ब
4. रूपक

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.30** व्याकरण सीखने में कार्यविधिक (प्रक्रिया आधारित) ज्ञान है-

1. आकृति और वर्णन करने के बारे में ज्ञान, तथा उसे सीमित अभ्यास में इस्तेमाल करना।
2. व्याकरणिक रूप किस प्रकार कार्य करते हैं के प्रति समझ बनना तथा वैसा ही लागू करना।
3. व्याकरण के नियमों को बाद में इस्तेमाल करने के उद्देश्य से सीखना।
4. व्याकरण की पुस्तक में दिए गए व्याकरणिक रुपों के प्रति समझ बनना।

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

Section : **Language II**

**Comprehension:**

निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा नवप्रश्नानां उचितं विकल्पं चित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दातव्यानि।

पुरा वृत्रासुर: देवान् भृशमपीडयत् । इन्द्रादय: ते देवाः प्रजापतिमुपागच्छन् । तान् समागतान् दृष्ट्वा प्रजापति: आगमनस्य कारणमपृच्छत् । ते प्रत्यवदन्- "प्रभो ! वृत्रासुर: अस्मान् पीडयति । तस्य शक्ते: पुरत: वयं स्थातुं न शक्नुम: । अत: भीता: वयमत्रागता: । प्रजापति अभणत् – "हरि: एव अस्मान् रक्षितुं समर्थ: । तमेव शरणं गच्छाम: । "

प्रजापति: देवै: साकं वैकुण्ठं गत्वा हरये सर्वमपि वृत्तान्तं न्यवेदयत् । तत् श्रुत्वा हरि: अकथयत् – "भो: प्रजापते ! देवा: महर्षेः दधीचे: अन्तिकं गत्वा तस्मात् अस्थियाचनं कुर्वन्तु । स: नूनमस्थीनि दास्यति । तै: अस्थिभि: वज्रायुधं घटयत । तेन वृत्रं हन्तु युद्धे असुरान् जेतुं च पारयिष्यथ ।"

तत: सर्वे देवा: दधीचे: तपोवनमगच्छन् । तत् तपोवनम् कपीनां क्रीडाभि:, हरिणानां विहारै:, अलीनां गुञ्जनै: च रमणीयमासीत् । तत्र बहव: मुनय: उपविष्टा: तपस्यां कुर्वन्ति स्म ।

देवा: दधीचे: आश्रमं प्राविशन् । तत्र ते अनेकै: ऋषिभि: परिवृतमग्निमिव प्रभया देदीप्यमानं दधीचिमपश्यन् । ते ऋषीन् दधीचिं च दृष्ट्वा अनमन् । दधीचि: इन्द्रं - "किमर्थं यूयमत्रागता:" इत्यपृच्छत् । इन्द्र: सादरमकथयत् – "महर्षे, वयं वृत्रेण पीड़िता: त्वां शरणमुपागता: । कृपया त्वमस्मभ्यं स्वानि अस्थीनि प्रयच्छ । घटयाम तै: अस्थिभि: आयुधम्, येन वयं वृत्रं हन्तुं पारयाम: ।" दधीचि: इन्द्रस्य वचनं श्रुत्वा नितरामतुष्यत् । स: अकथयत् – "भो: इन्द्र ! अद्य मम जीवितं सफलं जातं यत् मे शरीरं युष्माकमुपकाराय भवति । परोपकारार्थमिदं शरीरम् । अहं युष्मभ्यमिदं शरीरं सहर्षं प्रयच्छामि, स्वीकुरुत ।" स: नेत्रे निमील्य समाधिस्थ: अभवत् । देवा: तस्य अस्थीनि आदाय तै: वज्रायुधमरचयन् । तेन च इन्द्र: युद्धे वृत्रासुरममारयत् । एवं देवा: दधीचे: औदार्येण वृत्रभयात् मुक्ता: अभवन् ।

**SubQuestion No : 1**

**Q.1** प्रजापति: देवानां कथं सहायताम् अकरोत्?

1. प्रजापति: देवै: सह मिलित्वा असुरान् अहनत् ।
2. प्रजापति: देवेभ्य: विजययज्ञम् अकरोत् ।
3. प्रजापति: देवै: सह वैकुण्ठं गत्वा हरये देवानां कष्टं न्यवेदयत् ।
4. प्रजापति: देवान् हरिं गन्तुं प्रैरयत् ।

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Comprehension:**

निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा नवप्रश्नानां उचितं विकल्पं चित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दातव्यानि।

पुरा वृत्रासुर: देवान् भृशमपीडयत् । इन्द्रादय: ते देवाः प्रजापतिमुपागच्छन् । तान् समागतान् दृष्ट्वा प्रजापति: आगमनस्य कारणमपृच्छत् । ते प्रत्यवदन्- "प्रभो ! वृत्रासुर: अस्मान् पीडयति । तस्य शक्ते: पुरत: वयं स्थातुं न शक्नुम: । अत: भीता: वयमत्रागता: । प्रजापति अभणत् – "हरि: एव अस्मान् रक्षितुं समर्थ: । तमेव शरणं गच्छाम: । "

प्रजापति: देवै: साकं वैकुण्ठं गत्वा हरये सर्वमपि वृत्तान्तं न्यवेदयत् । तत् श्रुत्वा हरि: अकथयत् – "भो: प्रजापते ! देवा: महर्षेः दधीचे: अन्तिकं गत्वा तस्मात् अस्थियाचनं कुर्वन्तु । स: नूनमस्थीनि दास्यति । तै: अस्थिभि: वज्रायुधं घटयत । तेन वृत्रं हन्तु युद्धे असुरान् जेतुं च पारयिष्यथ ।"

तत: सर्वे देवा: दधीचे: तपोवनमगच्छन् । तत् तपोवनम् कपीनां क्रीडाभि:, हरिणानां विहारै:, अलीनां गुञ्जनै: च रमणीयमासीत् । तत्र बहव: मुनय: उपविष्टा: तपस्यां कुर्वन्ति स्म ।

देवा: दधीचे: आश्रमं प्राविशन् । तत्र ते अनेकै: ऋषिभि: परिवृतमग्निमिव प्रभया देदीप्यमानं दधीचिमपश्यन् । ते ऋषीन् दधीचिं च दृष्ट्वा अनमन् । दधीचि: इन्द्रं - "किमर्थं यूयमत्रागता:" इत्यपृच्छत् । इन्द्र: सादरमकथयत् – "महर्षे, वयं वृत्रेण पीड़िता: त्वां शरणमुपागता: । कृपया त्वमस्मभ्यं स्वानि अस्थीनि प्रयच्छ । घटयाम तै: अस्थिभि: आयुधम्, येन वयं वृत्रं हन्तुं पारयाम: ।" दधीचि: इन्द्रस्य वचनं श्रुत्वा नितरामतुष्यत् । स: अकथयत् – "भो: इन्द्र ! अद्य मम जीवितं सफलं जातं यत् मे शरीरं युष्माकमुपकाराय भवति । परोपकारार्थमिदं शरीरम् । अहं युष्मभ्यमिदं शरीरं सहर्षं प्रयच्छामि, स्वीकुरुत ।" स: नेत्रे निमील्य समाधिस्थ: अभवत् । देवा: तस्य अस्थीनि आदाय तै: वज्रायुधमरचयन् । तेन च इन्द्र: युद्धे वृत्रासुरममारयत् । एवं देवा: दधीचे: औदार्येण वृत्रभयात् मुक्ता: अभवन् ।

**SubQuestion No : 2**

**Q.2** देवा: वृत्रासुरं हन्तुं कम् उपायम् अकरोत् ?

1. देवा: महर्षेर्दधीचे: अस्थिभिः वज्रनिर्माणम् अकुर्वन् ।
2. इन्द्र: खड्गेन देवै: सह मिलित्वा वृत्रासुरम् अहनत् ।
3. देवा: विष्णुं सहायतार्थं प्रार्थयन् । इन्द्र: सुदर्शनचक्रेण वृत्रासुरं अहनत्।
4. वृत्रासुर: विष्णो: तेजसा सद्यः प्राणान् अत्यजत् ।

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Comprehension:**

निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा नवप्रश्नानां उचितं विकल्पं चित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दातव्यानि।

पुरा वृत्रासुर: देवान् भृशमपीडयत् । इन्द्रादय: ते देवाः प्रजापतिमुपागच्छन् । तान् समागतान् दृष्ट्वा प्रजापति: आगमनस्य कारणमपृच्छत् । ते प्रत्यवदन्- "प्रभो ! वृत्रासुर: अस्मान् पीडयति । तस्य शक्ते: पुरत: वयं स्थातुं न शक्नुम: । अत: भीता: वयमत्रागता: । प्रजापति अभणत् – "हरि: एव अस्मान् रक्षितुं समर्थ: । तमेव शरणं गच्छाम: । "

प्रजापति: देवै: साकं वैकुण्ठं गत्वा हरये सर्वमपि वृत्तान्तं न्यवेदयत् । तत् श्रुत्वा हरि: अकथयत् – "भो: प्रजापते ! देवा: महर्षेः दधीचे: अन्तिकं गत्वा तस्मात् अस्थियाचनं कुर्वन्तु । स: नूनमस्थीनि दास्यति । तै: अस्थिभि: वज्रायुधं घटयत । तेन वृत्रं हन्तु युद्धे असुरान् जेतुं च पारयिष्यथ ।"

तत: सर्वे देवा: दधीचे: तपोवनमगच्छन् । तत् तपोवनम् कपीनां क्रीडाभि:, हरिणानां विहारै:, अलीनां गुञ्जनै: च रमणीयमासीत् । तत्र बहव: मुनय: उपविष्टा: तपस्यां कुर्वन्ति स्म ।

देवा: दधीचे: आश्रमं प्राविशन् । तत्र ते अनेकै: ऋषिभि: परिवृतमग्निमिव प्रभया देदीप्यमानं दधीचिमपश्यन् । ते ऋषीन् दधीचिं च दृष्ट्वा अनमन् । दधीचि: इन्द्रं - "किमर्थं यूयमत्रागता:" इत्यपृच्छत् । इन्द्र: सादरमकथयत् – "महर्षे, वयं वृत्रेण पीड़िता: त्वां शरणमुपागता: । कृपया त्वमस्मभ्यं स्वानि अस्थीनि प्रयच्छ । घटयाम तै: अस्थिभि: आयुधम्, येन वयं वृत्रं हन्तुं पारयाम: ।" दधीचि: इन्द्रस्य वचनं श्रुत्वा नितरामतुष्यत् । स: अकथयत् – "भो: इन्द्र ! अद्य मम जीवितं सफलं जातं यत् मे शरीरं युष्माकमुपकाराय भवति । परोपकारार्थमिदं शरीरम् । अहं युष्मभ्यमिदं शरीरं सहर्षं प्रयच्छामि, स्वीकुरुत ।" स: नेत्रे निमील्य समाधिस्थ: अभवत् । देवा: तस्य अस्थीनि आदाय तै: वज्रायुधमरचयन् । तेन च इन्द्र: युद्धे वृत्रासुरममारयत् । एवं देवा: दधीचे: औदार्येण वृत्रभयात् मुक्ता: अभवन् ।

**SubQuestion No : 3**

**Q.3** दधीचे: तपोवने ऋषय: किम् अकुर्वन् ?

1. ऋषय: वेदाभ्यासं कुर्वन्ति स्म ।
2. ऋषय: तपोवने दीर्घयज्ञान् कुर्वन्ति स्म ।
3. ऋषय: तपोवने दधीचे: सेवाम् कुर्वन्ति स्म ।
4. ऋषय: तपोवने तपस्यां कुर्वन्ति स्म ।

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Comprehension:**

निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा नवप्रश्नानां उचितं विकल्पं चित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दातव्यानि।

पुरा वृत्रासुर: देवान् भृशमपीडयत् । इन्द्रादय: ते देवाः प्रजापतिमुपागच्छन् । तान् समागतान् दृष्ट्वा प्रजापति: आगमनस्य कारणमपृच्छत् । ते प्रत्यवदन्- "प्रभो ! वृत्रासुर: अस्मान् पीडयति । तस्य शक्ते: पुरत: वयं स्थातुं न शक्नुम: । अत: भीता: वयमत्रागता: । प्रजापति अभणत् – "हरि: एव अस्मान् रक्षितुं समर्थ: । तमेव शरणं गच्छाम: । "

प्रजापति: देवै: साकं वैकुण्ठं गत्वा हरये सर्वमपि वृत्तान्तं न्यवेदयत् । तत् श्रुत्वा हरि: अकथयत् – "भो: प्रजापते ! देवा: महर्षेः दधीचे: अन्तिकं गत्वा तस्मात् अस्थियाचनं कुर्वन्तु । स: नूनमस्थीनि दास्यति । तै: अस्थिभि: वज्रायुधं घटयत । तेन वृत्रं हन्तु युद्धे असुरान् जेतुं च पारयिष्यथ ।"

तत: सर्वे देवा: दधीचे: तपोवनमगच्छन् । तत् तपोवनम् कपीनां क्रीडाभि:, हरिणानां विहारै:, अलीनां गुञ्जनै: च रमणीयमासीत् । तत्र बहव: मुनय: उपविष्टा: तपस्यां कुर्वन्ति स्म ।

देवा: दधीचे: आश्रमं प्राविशन् । तत्र ते अनेकै: ऋषिभि: परिवृतमग्निमिव प्रभया देदीप्यमानं दधीचिमपश्यन् । ते ऋषीन् दधीचिं च दृष्ट्वा अनमन् । दधीचि: इन्द्रं - "किमर्थं यूयमत्रागता:" इत्यपृच्छत् । इन्द्र: सादरमकथयत् – "महर्षे, वयं वृत्रेण पीड़िता: त्वां शरणमुपागता: । कृपया त्वमस्मभ्यं स्वानि अस्थीनि प्रयच्छ । घटयाम तै: अस्थिभि: आयुधम्, येन वयं वृत्रं हन्तुं पारयाम: ।" दधीचि: इन्द्रस्य वचनं श्रुत्वा नितरामतुष्यत् । स: अकथयत् – "भो: इन्द्र ! अद्य मम जीवितं सफलं जातं यत् मे शरीरं युष्माकमुपकाराय भवति । परोपकारार्थमिदं शरीरम् । अहं युष्मभ्यमिदं शरीरं सहर्षं प्रयच्छामि, स्वीकुरुत ।" स: नेत्रे निमील्य समाधिस्थ: अभवत् । देवा: तस्य अस्थीनि आदाय तै: वज्रायुधमरचयन् । तेन च इन्द्र: युद्धे वृत्रासुरममारयत् । एवं देवा: दधीचे: औदार्येण वृत्रभयात् मुक्ता: अभवन् ।

**SubQuestion No : 4**

**Q.4** इन्द्रस्य प्रार्थनां श्रुत्वा दधीचि: कां प्रतिक्रियाम् प्रादर्शयत्?

1. स: भयभीत: सञ्जात: ।
2. स: पूर्णतया प्रसन्न: अभवत् ।
3. स: देवानां निन्दाम् अकरोत् ।
4. स: खिन्नमनसा देवेभ्य: अस्थीनि अददात् ।

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Comprehension:**

निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा नवप्रश्नानां उचितं विकल्पं चित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दातव्यानि।

पुरा वृत्रासुर: देवान् भृशमपीडयत्। इन्द्रादय: ते देवाः प्रजापतिमुपागच्छन्। तान् समागतान् दृष्ट्वा प्रजापति: आगमनस्य कारणमपृच्छत्। ते प्रत्यवदन्- "प्रभो! वृत्रासुर: अस्मान् पीडयति। तस्य शक्ते: पुरत: वयं स्थातुं न शक्नुम:। अत: भीता: वयमत्रागता:। प्रजापति अभणत् – "हरि: एव अस्मान् रक्षितुं समर्थ:। तमेव शरणं गच्छाम:।"

प्रजापति: देवै: साकं वैकुण्ठं गत्वा हरये सर्वमपि वृत्तान्तं न्यवेदयत्। तत् श्रुत्वा हरि: अकथयत् – "भो: प्रजापते! देवा: महर्षेः दधीचे: अन्तिकं गत्वा तस्मात् अस्थियाचनं कुर्वन्तु। स: नूनमस्थीनि दास्यति। तै: अस्थिभि: वज्रायुधं घटयत। तेन वृत्रं हन्तु युद्धे असुरान् जेतुं च पारयिष्यथ।"

तत: सर्वे देवा: दधीचे: तपोवनमगच्छन्। तत् तपोवनम् कपीनां क्रीडाभि:, हरिणानां विहारै:, अलीनां गुञ्जनै: च रमणीयमासीत्। तत्र बहव: मुनय: उपविष्टा: तपस्यां कुर्वन्ति स्म।

देवा: दधीचे: आश्रमं प्राविशन्। तत्र ते अनेकै: ऋषिभि: परिवृतमग्निमिव प्रभया देदीप्यमानं दधीचिमपश्यन्। ते ऋषीन् दधीचिं च दृष्ट्वा अनमन्। दधीचि: इन्द्रं - "किमर्थं यूयमत्रागता:" इत्यपृच्छत्। इन्द्र: सादरमकथयत् – "महर्षे, वयं वृत्रेण पीड़िता: त्वां शरणमुपागता:। कृपया त्वमस्मभ्यं स्वानि अस्थीनि प्रयच्छ। घटयाम तै: अस्थिभि: आयुधम्, येन वयं वृत्रं हन्तुं पारयाम:।" दधीचि: इन्द्रस्य वचनं श्रुत्वा नितरामतुष्यत्। स: अकथयत् – "भो: इन्द्र! अद्य मम जीवितं सफलं जातं यत् मे शरीरं युष्माकमुपकाराय भवति। परोपकारार्थमिदं शरीरम्। अहं युष्मभ्यमिदं शरीरं सहर्षं प्रयच्छामि, स्वीकुरुत।" स: नेत्रे निमील्य समाधिस्थ: अभवत्। देवा: तस्य अस्थीनि आदाय तै: वज्रायुधमरचयन्। तेन च इन्द्र: युद्धे वृत्रासुरममारयत्। एवं देवा: दधीचे: औदार्येण वृत्रभयात् मुक्ता: अभवन्।

**SubQuestion No : 5**

**Q.5** देवा: कीदृशं दधीचिम् अपश्यन्?

1. देवा: तेजोभि: दीप्तिमन्तम् दधीचिम् अपश्यन्।
2. देवा: तपोभि: कृशकायं दधीचिम् अपश्यन्।
3. देवा: क्रोधेन ज्वलन्तम् अग्निम् इव दधीचिम् अपश्यन्।
4. देवा: मौनं धारयन्तं समाधिस्थं दधीचिम् अपश्यन्।

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Comprehension:**

निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा नवप्रश्नानां उचितं विकल्पं चित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दातव्यानि।

पुरा वृत्रासुर: देवान् भृशमपीडयत् । इन्द्रादय: ते देवाः प्रजापतिमुपागच्छन् । तान् समागतान् दृष्ट्वा प्रजापति: आगमनस्य कारणमपृच्छत् । ते प्रत्यवदन्- "प्रभो ! वृत्रासुर: अस्मान् पीडयति । तस्य शक्ते: पुरत: वयं स्थातुं न शक्नुम: । अत: भीता: वयमत्रागता: । प्रजापति अभणत् – "हरि: एव अस्मान् रक्षितुं समर्थ: । तमेव शरणं गच्छाम: । "

प्रजापति: देवै: साकं वैकुण्ठं गत्वा हरये सर्वमपि वृत्तान्तं न्यवेदयत् । तत् श्रुत्वा हरि: अकथयत् – "भो: प्रजापते ! देवा: महर्षेः दधीचे: अन्तिकं गत्वा तस्मात् अस्थियाचनं कुर्वन्तु । स: नूनमस्थीनि दास्यति । तै: अस्थिभि: वज्रायुधं घटयत । तेन वृत्रं हन्तु युद्धे असुरान् जेतुं च पारयिष्यथ ।"

तत: सर्वे देवा: दधीचे: तपोवनमगच्छन् । तत् तपोवनम् कपीनां क्रीडाभि:, हरिणानां विहारै:, अलीनां गुञ्जनै: च रमणीयमासीत् । तत्र बहव: मुनय: उपविष्टा: तपस्यां कुर्वन्ति स्म ।

देवा: दधीचे: आश्रमं प्राविशन् । तत्र ते अनेकै: ऋषिभि: परिवृतमग्निमिव प्रभया देदीप्यमानं दधीचिमपश्यन् । ते ऋषीन् दधीचिं च दृष्ट्वा अनमन् । दधीचि: इन्द्रं - "किमर्थं यूयमत्रागता:" इत्यपृच्छत् । इन्द्र: सादरमकथयत् – "महर्षे, वयं वृत्रेण पीड़िता: त्वां शरणमुपागता: । कृपया त्वमस्मभ्यं स्वानि अस्थीनि प्रयच्छ । घटयाम तै: अस्थिभि: आयुधम्, येन वयं वृत्रं हन्तुं पारयाम: ।" दधीचि: इन्द्रस्य वचनं श्रुत्वा नितरामतुष्यत् । स: अकथयत् – "भो: इन्द्र ! अद्य मम जीवितं सफलं जातं यत् मे शरीरं युष्माकमुपकाराय भवति । परोपकारार्थमिदं शरीरम् । अहं युष्मभ्यमिदं शरीरं सहर्षं प्रयच्छामि, स्वीकुरुत ।" स: नेत्रे निमील्य समाधिस्थ: अभवत् । देवा: तस्य अस्थीनि आदाय तै: वज्रायुधमरचयन् । तेन च इन्द्र: युद्धे वृत्रासुरममारयत् । एवं देवा: दधीचे: औदार्येण वृत्रभयात् मुक्ता: अभवन् ।

**SubQuestion No : 6**

**Q.6** निम्नलिखितेषु पदेषु कं पदं गद्यांशे प्रयुक्तस्य 'अलीनाम्' पदस्य पर्यायवाची विद्यते। उपयुक्तं विकल्पं चिनुत।

1. सखीनाम्
2. मक्षिकाणाम्
3. मत्कुणानाम्
4. भ्रमराणाम्

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Comprehension:**

निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा नवप्रश्नानां उचितं विकल्पं चित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दातव्यानि।

पुरा वृत्रासुर: देवान् भृशमपीडयत् । इन्द्रादय: ते देवाः प्रजापतिमुपागच्छन् । तान् समागतान् दृष्ट्वा प्रजापति: आगमनस्य कारणमपृच्छत् । ते प्रत्यवदन्- "प्रभो ! वृत्रासुर: अस्मान् पीडयति । तस्य शक्ते: पुरत: वयं स्थातुं न शक्नुम: । अत: भीता: वयमत्रागता: । प्रजापति अभणत् – "हरि: एव अस्मान् रक्षितुं समर्थ: । तमेव शरणं गच्छाम: । "

प्रजापति: देवै: साकं वैकुण्ठं गत्वा हरये सर्वमपि वृत्तान्तं न्यवेदयत् । तत् श्रुत्वा हरि: अकथयत् – "भो: प्रजापते ! देवा: महर्षेः दधीचे: अन्तिकं गत्वा तस्मात् अस्थियाचनं कुर्वन्तु । स: नूनमस्थीनि दास्यति । तै: अस्थिभि: वज्रायुधं घटयत । तेन वृत्रं हन्तु युद्धे असुरान् जेतुं च पारयिष्यथ ।"

तत: सर्वे देवा: दधीचे: तपोवनमगच्छन् । तत् तपोवनम् कपीनां क्रीडाभि:, हरिणानां विहारै:, अलीनां गुञ्जनै: च रमणीयमासीत् । तत्र बहव: मुनय: उपविष्टा: तपस्यां कुर्वन्ति स्म ।

देवा: दधीचे: आश्रमं प्राविशन् । तत्र ते अनेकै: ऋषिभि: परिवृतमग्निमिव प्रभया देदीप्यमानं दधीचिमपश्यन् । ते ऋषीन् दधीचिं च दृष्ट्वा अनमन् । दधीचि: इन्द्रं - "किमर्थं यूयमत्रागता:" इत्यपृच्छत् । इन्द्र: सादरमकथयत् – "महर्षे, वयं वृत्रेण पीड़िता: त्वां शरणमुपागता: । कृपया त्वमस्मभ्यं स्वानि अस्थीनि प्रयच्छ । घटयाम तै: अस्थिभि: आयुधम्, येन वयं वृत्रं हन्तुं पारयाम: ।" दधीचि: इन्द्रस्य वचनं श्रुत्वा नितरामतुष्यत् । स: अकथयत् – "भो: इन्द्र ! अद्य मम जीवितं सफलं जातं यत् मे शरीरं युष्माकमुपकाराय भवति । परोपकारार्थमिदं शरीरम् । अहं युष्मभ्यमिदं शरीरं सहर्षं प्रयच्छामि, स्वीकुरुत ।" स: नेत्रे निमील्य समाधिस्थ: अभवत् । देवा: तस्य अस्थीनि आदाय तै: वज्रायुधमरचयन् । तेन च इन्द्र: युद्धे वृत्रासुरममारयत् । एवं देवा: दधीचे: औदार्येण वृत्रभयात् मुक्ता: अभवन् ।

**SubQuestion No : 7**

**Q.7** 'न्यवेदयत्' इत्यस्मिन् पदे क: सन्धि: वर्तते ?

1. यण् सन्धि:
2. गुण सन्धि:
3. वृद्धि: सन्धि:
4. पूर्वरूपसन्धि:

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Comprehension:**

निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा नवप्रश्नानां उचितं विकल्पं चित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दातव्यानि।

पुरा वृत्रासुर: देवान् भृशमपीडयत् । इन्द्रादय: ते देवाः प्रजापतिमुपागच्छन् । तान् समागतान् दृष्ट्वा प्रजापति: आगमनस्य कारणमपृच्छत् । ते प्रत्यवदन्- "प्रभो ! वृत्रासुर: अस्मान् पीडयति । तस्य शक्ते: पुरत: वयं स्थातुं न शक्नुम: । अत: भीता: वयमत्रागता: । प्रजापति अभणत् – "हरि: एव अस्मान् रक्षितुं समर्थ: । तमेव शरणं गच्छाम: । "

प्रजापति: देवै: साकं वैकुण्ठं गत्वा हरये सर्वमपि वृत्तान्तं न्यवेदयत् । तत् श्रुत्वा हरि: अकथयत् – "भो: प्रजापते ! देवा: महर्षेः दधीचे: अन्तिकं गत्वा तस्मात् अस्थियाचनं कुर्वन्तु । स: नूनमस्थीनि दास्यति । तै: अस्थिभि: वज्रायुधं घटयत । तेन वृत्रं हन्तु युद्धे असुरान् जेतुं च पारयिष्यथ ।"

तत: सर्वे देवा: दधीचे: तपोवनमगच्छन् । तत् तपोवनम् कपीनां क्रीडाभि:, हरिणानां विहारै:, अलीनां गुञ्जनै: च रमणीयमासीत् । तत्र बहव: मुनय: उपविष्टा: तपस्यां कुर्वन्ति स्म ।

देवा: दधीचे: आश्रमं प्राविशन् । तत्र ते अनेकै: ऋषिभि: परिवृतमग्निमिव प्रभया देदीप्यमानं दधीचिमपश्यन् । ते ऋषीन् दधीचिं च दृष्ट्वा अनमन् । दधीचि: इन्द्रं - "किमर्थं यूयमत्रागता:" इत्यपृच्छत् । इन्द्र: सादरमकथयत् – "महर्षे, वयं वृत्रेण पीड़िता: त्वां शरणमुपागता: । कृपया त्वमस्मभ्यं स्वानि अस्थीनि प्रयच्छ । घटयाम तै: अस्थिभि: आयुधम्, येन वयं वृत्रं हन्तुं पारयाम: ।" दधीचि: इन्द्रस्य वचनं श्रुत्वा नितरामतुष्यत् । स: अकथयत् – "भो: इन्द्र ! अद्य मम जीवितं सफलं जातं यत् मे शरीरं युष्माकमुपकाराय भवति । परोपकारार्थमिदं शरीरम् । अहं युष्मभ्यमिदं शरीरं सहर्षं प्रयच्छामि, स्वीकुरुत ।" स: नेत्रे निमील्य समाधिस्थ: अभवत् । देवा: तस्य अस्थीनि आदाय तै: वज्रायुधमरचयन् । तेन च इन्द्र: युद्धे वृत्रासुरममारयत् । एवं देवा: दधीचे: औदार्येण वृत्रभयात् मुक्ता: अभवन् ।

**SubQuestion No : 8**

**Q.8** 'अस्थियाचनम्' इत्यस्मिन् पदे क: समास: विद्यते?

1. द्वन्द्वसमास:
2. षष्ठीतत्पुरुष:
3. चतुर्थीतत्पुरुष:
4. बहुव्रीहि:

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Comprehension:**

निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा सप्तप्रश्नानां समुचितं विकल्पं चित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दातव्यानि।

गङ्गाम् उभयत: विविधै: वृक्षै: सुशोभिता: ग्रामा: आसन्। तत्र एकस्मात् ग्रामात् बहि: वृक्षस्य अध: एक: जीर्ण: कूप: आसीत्। तस्मिन् कूपे मण्डूकानाम् अधिपतिः गङ्गदत्त: परिजनै: सह निवसति स्म। स: गङ्गदत्त: परिश्रमं विनैव प्रभुत्वं प्राप्नोत्। अत: गर्वित: अभवत्। तस्य दुर्व्यवहारेण केचित् प्रमुखा: भेका: रुष्टा: जाता:। ते गङ्गदत्तम् अधिकारेण हीनं कृत्वा कूपात् बहि: कर्तुम् उद्यता: अभवन्। तद् ज्ञात्वा गङ्गदत्त: विषादम् अनुभवति स्म। 'शत्रूणां नाश: कथं भवेत्' इति एकान्ते चाटुकारै: सह मन्त्रणाम् अकरोत्। एक: नष्टबुद्धिनाम मण्डूक: नत्वा अकथयत् - 'नीतिं विना किमपि न सिध्यति। शत्रु: शत्रुणा नाशयितव्य: इति नीति:। एषां शत्रूणां नाशाय सर्प: सहायक: भविष्यति। य: वृक्षस्य कोटरे निवसति। एवं संघर्षं विनैव शत्रुनाश: भविष्यति।'

तत: मूढ: गङ्गदत्त: कूपात् बहि: आगत्य सर्पस्य समीपं गत:। स सर्पं सादरम् उच्चै: अवदत् - 'नागराजाय नम:।' विषधर: अवदत् – 'स्वागतम् सखे ! किं ते प्रियं करवाणि। किमर्थं आगत: असि?' गङ्गदत्त: अवदत् 'त्वया सह मैत्रीं कर्तुं तव द्वारम् उपागत:।' सर्पराज: तम् अपृच्छत् – 'भक्ष्यभक्षकयो: मध्ये कीदृशी मैत्री?' गङ्गदत्त: अकथयत्- 'सत्यम्, परम् अधुना अपनानित: अहं तव साहाय्यम् अभिलषामि।'

'कस्मात् ते परिभव:?' 'स्वजनेभ्य:।' क्व ते निवास:, वाप्यां, कूपे तडागे वा?' 'कूपे। आगच्छ मया सह, कूपस्य अन्त: प्रविश्य मम शत्रून् नाशय।'

तत: सर्पराज तस्य वचनं स्वीकृत्य अकथयत्- 'अलं चिन्तया। अन्ध: अस्मि ! मां कूपं नय।' तदा तत्र गत्वा गङ्गदत्त: तस्मै प्रतिदिनं एकैकं मण्डूकं भोजनाय प्रयच्छति स्म। क्रमश: स सर्प: सर्वान् भेकान् अभक्षयत् अकथयत् च- 'बुभुक्षित: अस्मि। प्रयच्छ मे अन्यत् भोजनम्।' गङ्गदत्त: अवदत्- 'मार्गं देहि येन बहि: गत्वा अन्यस्मात् जलाशयात् मण्डूकान् आनयमि।' तत: सर्प: तस्मै मार्गं दत्तवान्। गङ्गदत्त: बहि: आगत्य सोल्लासम् अवदत्-

न गङ्गदत्त: पुनरेति कूपम्।

**SubQuestion No : 9**

**Q.9** गङ्गाम् उभयत: कीदृशा: ग्रामा: आसन्?

1. गङ्गाम् उभयत: जनसंकुला: ग्रामा: आसन्।
2. गङ्गाम् उभयत: द्रुमै: सुशोभिता: ग्रामा: आसन्।
3. गङ्गाम् उभयत: लताभि: सुशोभिता: ग्रामा: आसन्।
4. गङ्गाम् उभयत: कूपै: सुशोभिता: ग्रामा: आसन्।

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Comprehension:**

निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा सप्तप्रश्नानां समुचितं विकल्पं चित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दातव्यानि।

गङ्गाम् उभयत: विविधै: वृक्षै: सुशोभिता: ग्रामा: आसन्। तत्र एकस्मात् ग्रामात् बहि: वृक्षस्य अध: एक: जीर्ण: कूप: आसीत्। तस्मिन् कूपे मण्डूकानाम् अधिपतिः गङ्गदत्त: परिजनै: सह निवसति स्म । स: गङ्गदत्त: परिश्रमं विनैव प्रभुत्वं प्राप्नोत् । अत: गर्वित: अभवत् । तस्य दुर्व्यवहारेण केचित् प्रमुखा: भेका: रुष्टा: जाता: । ते गङ्गदत्तम् अधिकारेण हीनं कृत्वा कूपात् बहि: कर्तुम् उद्यता: अभवन्। तद् ज्ञात्वा गङ्गदत्त: विषादम् अनुभवति स्म । 'शत्रूणां नाश: कथं भवेत्' इति एकान्ते चाटुकारै: सह मन्त्रणाम् अकरोत्। एक: नष्टबुद्धिनाम मण्डूक: नत्वा अकथयत् - 'नीतिं विना किमपि न सिध्यति। शत्रु: शत्रुणा नाशयितव्य: इति नीति: । एषां शत्रूणां नाशाय सर्प: सहायक: भविष्यति। य: वृक्षस्य कोटरे निवसति। एवं संघर्षं विनैव शत्रुनाश: भविष्यति।'

तत: मूढ: गङ्गदत्त: कूपात् बहि: आगत्य सर्पस्य समीपं गत: । स सर्पं सादरम् उच्चै: अवदत् - 'नागराजाय नम: ।' विषधर: अवदत् – 'स्वागतम् सखे ! किं ते प्रियं करवाणि । किमर्थं आगत: असि?' गङ्गदत्त: अवदत् 'त्वया सह मैत्रीं कर्तुं तव द्वारम् उपागत: ।' सर्पराज: तम् अपृच्छत् – 'भक्ष्यभक्षकयो: मध्ये कीदृशी मैत्री?' गङ्गदत्त: अकथयत्- 'सत्यम्, परम् अधुना अपनानित: अहं तव साहाय्यम् अभिलषामि।'

'कस्मात् ते परिभव:?' 'स्वजनेभ्य: ।' क्व ते निवास:, वाप्यां, कूपे तडागे वा?' 'कूपे। आगच्छ मया सह, कूपस्य अन्त: प्रविश्य मम शत्रून् नाशय ।'

तत: सर्पराज तस्य वचनं स्वीकृत्य अकथयत्- 'अलं चिन्तया। अन्ध: अस्मि ! मां कूपं नय ।' तदा तत्र गत्वा गङ्गदत्त: तस्मै प्रतिदिनं एकैकं मण्डूकं भोजनाय प्रयच्छति स्म । क्रमश: स सर्प: सर्वान् भेकान् अभक्षयत् अकथयत् च- 'बुभुक्षित: अस्मि । प्रयच्छ मे अन्यत् भोजनम् ।' गङ्गदत्त: अवदत्- 'मार्गं देहि येन बहि: गत्वा अन्यस्मात् जलाशयात् मण्डूकान् आनयमि।' तत: सर्प: तस्मै मार्गं दत्तवान्। गङ्गदत्त: बहि: आगत्य सोल्लासम् अवदत्-

न गङ्गदत्त: पुनरेति कूपम्।

**SubQuestion No : 10**

**Q.10** कस्य दुर्व्यवहारेण मण्डूका: रुष्टा: जाता: ।

1. सर्पस्य दुर्व्यवहारेण
2. भेकानां दुर्व्यवहारेण
3. गङ्गदत्तस्य दुर्व्यवहारेण
4. मकराणां दुर्व्यवहारेण

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Comprehension:**

निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा सप्तप्रश्नानां समुचितं विकल्पं चित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दातव्यानि ।

गङ्गाम् उभयत: विविधै: वृक्षै: सुशोभिता: ग्रामा: आसन् । तत्र एकस्मात् ग्रामात् बहि: वृक्षस्य अध: एक: जीर्ण: कूप: आसीत् । तस्मिन् कूपे मण्डूकानाम् अधिपतिः गङ्गदत्त: परिजनै: सह निवसति स्म । स: गङ्गदत्त: परिश्रमं विनैव प्रभुत्वं प्राप्नोत् । अत: गर्वित: अभवत् । तस्य दुर्व्यवहारेण केचित् प्रमुखा: भेका: रुष्टा: जाता: । ते गङ्गदत्तम् अधिकारेण हीनं कृत्वा कूपात् बहि: कर्तुम् उद्यता: अभवन् । तद् ज्ञात्वा गङ्गदत्त: विषादम् अनुभवति स्म । 'शत्रूणां नाश: कथं भवेत्' इति एकान्ते चाटुकारै: सह मन्त्रणाम् अकरोत् । एक: नष्टबुद्धिनाम मण्डूक: नत्वा अकथयत् - 'नीतिं विना किमपि न सिध्यति । शत्रु: शत्रुणा नाशयितव्य: इति नीति: । एषां शत्रूणां नाशाय सर्प: सहायक: भविष्यति । य: वृक्षस्य कोटरे निवसति । एवं संघर्षं विनैव शत्रुनाश: भविष्यति ।'

तत: मूढ: गङ्गदत्त: कूपात् बहि: आगत्य सर्पस्य समीपं गत: । स सर्पं सादरम् उच्चै: अवदत् - 'नागराजाय नम: ।' विषधर: अवदत् – 'स्वागतम् सखे ! किं ते प्रियं करवाणि । किमर्थं आगत: असि?' गङ्गदत्त: अवदत् 'त्वया सह मैत्रीं कर्तुं तव द्वारम् उपागत: ।' सर्पराज: तम् अपृच्छत् – 'भक्ष्यभक्षकयो: मध्ये कीदृशी मैत्री?' गङ्गदत्त: अकथयत्- 'सत्यम्, परम् अधुना अपनानित: अहं तव साहाय्यम् अभिलषामि ।'

'कस्मात् ते परिभव:?' 'स्वजनेभ्य: ।' क्व ते निवास:, वाप्यां, कूपे तडागे वा?' 'कूपे । आगच्छ मया सह, कूपस्य अन्त: प्रविश्य मम शत्रून् नाशय ।'

तत: सर्पराज तस्य वचनं स्वीकृत्य अकथयत्- 'अलं चिन्तया । अन्ध: अस्मि ! मां कूपं नय ।' तदा तत्र गत्वा गङ्गदत्त: तस्मै प्रतिदिनं एकैकं मण्डूकं भोजनाय प्रयच्छति स्म । क्रमश: स सर्प: सर्वान् भेकान् अभक्षयत् अकथयत् च- 'बुभुक्षित: अस्मि । प्रयच्छ मे अन्यत् भोजनम् ।' गङ्गदत्त: अवदत्- 'मार्गं देहि येन बहि: गत्वा अन्यस्मात् जलाशयात् मण्डूकान् आनयमि ।' तत: सर्प: तस्मै मार्गं दत्तवान् । गङ्गदत्त: बहि: आगत्य सोल्लासम् अवदत्-

न गङ्गदत्त: पुनरेति कूपम् ।

**SubQuestion No : 11**

**Q.11** "भक्ष्यभक्षकयो: मध्ये कीदृशी मैत्री" उक्तिरियं कस्य विद्यते ?

1. मण्डूकराजस्य
2. सर्पराजस्य
3. नष्टबुद्धे:
4. नीतिकारस्य

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Comprehension:**

निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा सप्तप्रश्नानां समुचितं विकल्पं चित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दातव्यानि।

गङ्गाम् उभयत: विविधै: वृक्षै: सुशोभिता: ग्रामा: आसन्। तत्र एकस्मात् ग्रामात् बहि: वृक्षस्य अध: एक: जीर्ण: कूप: आसीत्। तस्मिन् कूपे मण्डूकानाम् अधिपतिः गङ्गदत्त: परिजनै: सह निवसति स्म। स: गङ्गदत्त: परिश्रमं विनैव प्रभुत्वं प्राप्नोत्। अत: गर्वित: अभवत्। तस्य दुर्व्यवहारेण केचित् प्रमुखा: भेका: रुष्टा: जाता:। ते गङ्गदत्तम् अधिकारेण हीनं कृत्वा कूपात् बहि: कर्तुम् उद्यता: अभवन्। तद् ज्ञात्वा गङ्गदत्त: विषादम् अनुभवति स्म। 'शत्रूणां नाश: कथं भवेत्' इति एकान्ते चाटुकारै: सह मन्त्रणाम् अकरोत्। एक: नष्टबुद्धिनाम मण्डूक: नत्वा अकथयत् - 'नीतिं विना किमपि न सिध्यति। शत्रु: शत्रुणा नाशयितव्य: इति नीति:। एषां शत्रूणां नाशाय सर्प: सहायक: भविष्यति। य: वृक्षस्य कोटरे निवसति। एवं संघर्षं विनैव शत्रुनाश: भविष्यति।'

तत: मूढ: गङ्गदत्त: कूपात् बहि: आगत्य सर्पस्य समीपं गत:। स सर्पं सादरम् उच्चै: अवदत् - 'नागराजाय नम:।' विषधर: अवदत् – 'स्वागतम् सखे ! किं ते प्रियं करवाणि। किमर्थं आगत: असि?' गङ्गदत्त: अवदत् 'त्वया सह मैत्रीं कर्तुं तव द्वारम् उपागत:।' सर्पराज: तम् अपृच्छत् – 'भक्ष्यभक्षकयो: मध्ये कीदृशी मैत्री?' गङ्गदत्त: अकथयत्- 'सत्यम्, परम् अधुना अपनानित: अहं तव साहाय्यम् अभिलषामि।'

'कस्मात् ते परिभव:?' 'स्वजनेभ्य:।' क्व ते निवास:, वाप्यां, कूपे तडागे वा?' 'कूपे। आगच्छ मया सह, कूपस्य अन्त: प्रविश्य मम शत्रून् नाशय।'

तत: सर्पराज तस्य वचनं स्वीकृत्य अकथयत्- 'अलं चिन्तया। अन्ध: अस्मि ! मां कूपं नय।' तदा तत्र गत्वा गङ्गदत्त: तस्मै प्रतिदिनं एकैकं मण्डूकं भोजनाय प्रयच्छति स्म। क्रमश: स सर्प: सर्वान् भेकान् अभक्षयत् अकथयत् च- 'बुभुक्षित: अस्मि। प्रयच्छ मे अन्यत् भोजनम्।' गङ्गदत्त: अवदत्- 'मार्गं देहि येन बहि: गत्वा अन्यस्मात् जलाशयात् मण्डूकान् आनयमि।' तत: सर्प: तस्मै मार्गं दत्तवान्। गङ्गदत्त: बहि: आगत्य सोल्लासम् अवदत्-

न गङ्गदत्त: पुनरेति कूपम्।

**SubQuestion No : 12**

**Q.12** गङ्गदत्त: कै: सह मन्त्रणां कृतवान् ?

1. प्रमुखनीतिकारै: सह
2. चाटुकारै: सह
3. सर्पै: सह
4. मित्रै: सह

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Comprehension:**

निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा सप्तप्रश्नानां समुचितं विकल्पं चित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दातव्यानि।

गङ्गाम् उभयत: विविधै: वृक्षै: सुशोभिता: ग्रामा: आसन्। तत्र एकस्मात् ग्रामात् बहि: वृक्षस्य अध: एक: जीर्ण: कूप: आसीत्। तस्मिन् कूपे मण्डूकानाम् अधिपतिः गङ्गदत्त: परिजनै: सह निवसति स्म। स: गङ्गदत्त: परिश्रमं विनैव प्रभुत्वं प्राप्नोत्। अत: गर्वित: अभवत्। तस्य दुर्व्यवहारेण केचित् प्रमुखा: भेका: रुष्टा: जाता:। ते गङ्गदत्तम् अधिकारेण हीनं कृत्वा कूपात् बहि: कर्तुम् उद्यता: अभवन्। तद् ज्ञात्वा गङ्गदत्त: विषादम् अनुभवति स्म। 'शत्रूणां नाश: कथं भवेत्' इति एकान्ते चाटुकारै: सह मन्त्रणाम् अकरोत्। एक: नष्टबुद्धिनाम मण्डूक: नत्वा अकथयत् - 'नीतिं विना किमपि न सिध्यति। शत्रु: शत्रुणा नाशयितव्य: इति नीति:। एषां शत्रूणां नाशाय सर्प: सहायक: भविष्यति। य: वृक्षस्य कोटरे निवसति। एवं संघर्षं विनैव शत्रुनाश: भविष्यति।'

तत: मूढ: गङ्गदत्त: कूपात् बहि: आगत्य सर्पस्य समीपं गत:। स सर्पं सादरम् उच्चै: अवदत् - 'नागराजाय नम:।' विषधर: अवदत् – 'स्वागतम् सखे ! किं ते प्रियं करवाणि। किमर्थं आगत: असि?' गङ्गदत्त: अवदत् 'त्वया सह मैत्रीं कर्तुं तव द्वारम् उपागत:।' सर्पराज: तम् अपृच्छत् – 'भक्ष्यभक्षकयो: मध्ये कीदृशी मैत्री?' गङ्गदत्त: अकथयत्- 'सत्यम्, परम् अधुना अपनानित: अहं तव साहाय्यम् अभिलषामि।'

'कस्मात् ते परिभव:?' 'स्वजनेभ्य:।' क्व ते निवास:, वाप्यां, कूपे तडागे वा?' 'कूपे। आगच्छ मया सह, कूपस्य अन्त: प्रविश्य मम शत्रून् नाशय।'

तत: सर्पराज तस्य वचनं स्वीकृत्य अकथयत्- 'अलं चिन्तया। अन्ध: अस्मि ! मां कूपं नय।' तदा तत्र गत्वा गङ्गदत्त: तस्मै प्रतिदिनं एकैकं मण्डूकं भोजनाय प्रयच्छति स्म। क्रमश: स सर्प: सर्वान् भेकान् अभक्षयत् अकथयत् च- 'बुभुक्षित: अस्मि। प्रयच्छ मे अन्यत् भोजनम्।' गङ्गदत्त: अवदत्- 'मार्गं देहि येन बहि: गत्वा अन्यस्मात् जलाशयात् मण्डूकान् आनयमि।' तत: सर्प: तस्मै मार्गं दत्तवान्। गङ्गदत्त: बहि: आगत्य सोल्लासम् अवदत्-

न गङ्गदत्त: पुनरेति कूपम्।

**SubQuestion No : 13**

**Q.13** 'भेक:' कस्य पर्यायवाची ?

1. मण्डूकस्य
2. सर्पस्य
3. शृगालस्य
4. चाटुकारस्य

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Comprehension:**

निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा सप्तप्रश्नानां समुचितं विकल्पं चित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दातव्यानि।

गङ्गाम् उभयत: विविधै: वृक्षै: सुशोभिता: ग्रामा: आसन्। तत्र एकस्मात् ग्रामात् बहि: वृक्षस्य अध: एक: जीर्ण: कूप: आसीत्। तस्मिन् कूपे मण्डूकानाम् अधिपतिः गङ्गदत्त: परिजनै: सह निवसति स्म। स: गङ्गदत्त: परिश्रमं विनैव प्रभुत्वं प्राप्नोत्। अत: गर्वित: अभवत्। तस्य दुर्व्यवहारेण केचित् प्रमुखा: भेका: रुष्टा: जाता:। ते गङ्गदत्तम् अधिकारेण हीनं कृत्वा कूपात् बहि: कर्तुम् उद्यता: अभवन्। तद् ज्ञात्वा गङ्गदत्त: विषादम् अनुभवति स्म। 'शत्रूणां नाश: कथं भवेत्' इति एकान्ते चाटुकारै: सह मन्त्रणाम् अकरोत्। एक: नष्टबुद्धिनाम मण्डूक: नत्वा अकथयत् - 'नीतिं विना किमपि न सिध्यति। शत्रु: शत्रुणा नाशयितव्य: इति नीति:। एषां शत्रूणां नाशाय सर्प: सहायक: भविष्यति। य: वृक्षस्य कोटरे निवसति। एवं संघर्षं विनैव शत्रुनाश: भविष्यति।'

तत: मूढ: गङ्गदत्त: कूपात् बहि: आगत्य सर्पस्य समीपं गत:। स सर्पं सादरम् उच्चै: अवदत् - 'नागराजाय नम:।' विषधर: अवदत् – 'स्वागतम् सखे ! किं ते प्रियं करवाणि। किमर्थं आगत: असि?' गङ्गदत्त: अवदत् 'त्वया सह मैत्रीं कर्तुं तव द्वारम् उपागत:।' सर्पराज: तम् अपृच्छत् – 'भक्ष्यभक्षकयो: मध्ये कीदृशी मैत्री?' गङ्गदत्त: अकथयत्- 'सत्यम्, परम् अधुना अपनानित: अहं तव साहाय्यम् अभिलषामि।'

'कस्मात् ते परिभव:?' 'स्वजनेभ्य:।' क्व ते निवास:, वाप्यां, कूपे तडागे वा?' 'कूपे। आगच्छ मया सह, कूपस्य अन्त: प्रविश्य मम शत्रून् नाशय।'

तत: सर्पराज तस्य वचनं स्वीकृत्य अकथयत्- 'अलं चिन्तया। अन्ध: अस्मि ! मां कूपं नय।' तदा तत्र गत्वा गङ्गदत्त: तस्मै प्रतिदिनं एकैकं मण्डूकं भोजनाय प्रयच्छति स्म। क्रमश: स सर्प: सर्वान् भेकान् अभक्षयत् अकथयत् च- 'बुभुक्षित: अस्मि। प्रयच्छ मे अन्यत् भोजनम्।' गङ्गदत्त: अवदत्- 'मार्गं देहि येन बहि: गत्वा अन्यस्मात् जलाशयात् मण्डूकान् आनयमि।' तत: सर्प: तस्मै मार्गं दत्तवान्। गङ्गदत्त: बहि: आगत्य सोल्लासम् अवदत्-

न गङ्गदत्त: पुनरेति कूपम्।

**SubQuestion No : 14**

**Q.14** 'प्राप्नोत्' अस्मिन् क्रियापदे क: धातु: वर्तते?

1. प्राप्
2. आप्
3. प्राप्नु
4. आप्नु

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Comprehension:**

निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा सप्तप्रश्नानां समुचितं विकल्पं चित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दातव्यानि।

गङ्गाम् उभयत: विविधै: वृक्षै: सुशोभिता: ग्रामा: आसन्। तत्र एकस्मात् ग्रामात् बहि: वृक्षस्य अध: एक: जीर्ण: कूप: आसीत्। तस्मिन् कूपे मण्डूकानाम् अधिपतिः गङ्गदत्त: परिजनै: सह निवसति स्म। स: गङ्गदत्त: परिश्रमं विनैव प्रभुत्वं प्राप्नोत्। अत: गर्वित: अभवत्। तस्य दुर्व्यवहारेण केचित् प्रमुखा: भेका: रुष्टा: जाता:। ते गङ्गदत्तम् अधिकारेण हीनं कृत्वा कूपात् बहि: कर्तुम् उद्यता: अभवन्। तद् ज्ञात्वा गङ्गदत्त: विषादम् अनुभवति स्म। 'शत्रूणां नाश: कथं भवेत्' इति एकान्ते चाटुकारै: सह मन्त्रणाम् अकरोत्। एक: नष्टबुद्धिनाम मण्डूक: नत्वा अकथयत् - 'नीतिं विना किमपि न सिध्यति। शत्रु: शत्रुणा नाशयितव्य: इति नीति:। एषां शत्रूणां नाशाय सर्प: सहायक: भविष्यति। य: वृक्षस्य कोटरे निवसति। एवं संघर्षं विनैव शत्रुनाश: भविष्यति।'

तत: मूढ: गङ्गदत्त: कूपात् बहि: आगत्य सर्पस्य समीपं गत:। स सर्पं सादरम् उच्चै: अवदत् - 'नागराजाय नम:।' विषधर: अवदत् – 'स्वागतम् सखे ! किं ते प्रियं करवाणि। किमर्थं आगत: असि?' गङ्गदत्त: अवदत् 'त्वया सह मैत्रीं कर्तुं तव द्वारम् उपागत:।' सर्पराज: तम् अपृच्छत् – 'भक्ष्यभक्षकयो: मध्ये कीदृशी मैत्री?' गङ्गदत्त: अकथयत्- 'सत्यम्, परम् अधुना अपनानित: अहं तव साहाय्यम् अभिलषामि।'

'कस्मात् ते परिभव:?' 'स्वजनेभ्य:।' क्व ते निवास:, वाप्यां, कूपे तडागे वा?' 'कूपे। आगच्छ मया सह, कूपस्य अन्त: प्रविश्य मम शत्रून् नाशय।'

तत: सर्पराज तस्य वचनं स्वीकृत्य अकथयत्- 'अलं चिन्तया। अन्ध: अस्मि ! मां कूपं नय।' तदा तत्र गत्वा गङ्गदत्त: तस्मै प्रतिदिनं एकैकं मण्डूकं भोजनाय प्रयच्छति स्म। क्रमश: स सर्प: सर्वान् भेकान् अभक्षयत् अकथयत् च- 'बुभुक्षित: अस्मि। प्रयच्छ मे अन्यत् भोजनम्।' गङ्गदत्त: अवदत्- 'मार्गं देहि येन बहि: गत्वा अन्यस्मात् जलाशयात् मण्डूकान् आनयमि।' तत: सर्प: तस्मै मार्गं दत्तवान्। गङ्गदत्त: बहि: आगत्य सोल्लासम् अवदत्-

न गङ्गदत्त: पुनरेति कूपम्।

**SubQuestion No : 15**

**Q.15** निम्नलिखितेषु क्रियापदेषु भिन्नश्रेण्या: रूपं चिनुत-

1. प्राप्नोत्
2. अभवत्
3. अवदत्
4. करवाणि

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.16** भाषाविकासस्य क: सिद्धान्त: विश्वसिति- "भाषाशिक्षणम् सामाजिकशिक्षणम् अस्ति"

1. निर्माणात्मकता (constructivism)
2. श्रवणभाषीयता (audio lingualism)
3. प्राकृतिकपक्ष:
4. सम्प्रेषणात्मकतापक्ष:

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.17** द्वितीयस्याः भाषायाः शिक्षणे अन्तरभाषायाः (Interlanguage) कोऽर्थः?

1. सा भाषाव्यवस्थायां प्रत्येकं छात्रः विकासस्य कस्मिन्नपि काले गृह्णाति।
2. सा भाषा यां छात्रः द्वयोरधिकानां मध्ये वा गृह्णाति।
3. द्वयोः भाषयोः मध्ये भाषाव्यवस्थायाः भाषाविकासस्य च परस्परं सम्बन्धः।
4. बहुभाषीयसन्दर्भे कक्षायाम् च भाषाविकासः।

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.18** निम्नलिखितेषु कः प्रयोगः/कार्यम् अधः-ऊर्ध्वं (Bottom-up) श्रवणप्रक्रियां पोषयितुम् उद्दिशति?

a. श्रुतलेखः (Dictation)
b. अवशिष्टशब्दानां नियोजनम् (Cloze tasks)
c. संक्षिप्तीकरणम् (Summarizing)
d. बहिर्वेशनप्रश्नाः (Extrapolative questions)

1. (c) तथा (d) अधः-ऊर्ध्वं (Bottom-up) प्रक्रिये स्तः
2. (a) तथा (d) अधः-ऊर्ध्वं (Bottom-up) प्रक्रिये स्तः
3. (b) तथा (c) अधः-ऊर्ध्वं (Bottom-up) प्रक्रिये स्तः
4. (a) तथा (b) अधः-ऊर्ध्वं (Bottom-up) प्रक्रिये स्तः

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.19** व्याकरण-शिक्षणे विवरणात्मकं ज्ञानम् (declarative) किम् अस्ति ?

1. शब्दरूपाणां ज्ञानम्, वर्णनम्, संरचनात्मक-अभ्यासे प्रयोगश्च।
2. वैयाकरणिकरूपाणां व्यवहारे प्रयोगस्य तेषां कार्यस्य च सम्यग् ज्ञानम्।
3. रचनात्मकलेखने दैनिकप्रयोजनार्थं सम्प्रेषणे च रूपाणाम् प्रयोगः।
4. व्याकरणस्य नियमानां सम्यग् ज्ञानम् तथा अस्य वास्तविकव्यवहारे प्रयोगः।

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.20** प्रामाणिक-सामग्री भवति: -

1. पाठ्यपुस्तकलेखकै: लिखित: कश्चिदपि लेख: ।
2. का अपि सामग्री यथा पाठ्यलेख:, श्रवणपाठ्यम् (audio) दृश्यपाठ्यम्, पदार्थ:, या परिवर्तितरूपे (contrived) स्वाभाविकभाषायाम् सन्दर्भे च निर्मीयते, लिख्यते वा ।
3. कश्चिदपि पाठ्यलेख: य: साहित्यिकलेखकै: कविभिश्च लिख्यते ।
4. का अपि सामग्री यथा पाठ्यलेख: श्रवणपाठ्यम् (audio), दृश्यपाठ्यम्, पदार्थ:, या स्वाभाविकभाषायाम् सन्दर्भे च निर्मीयते, लिख्यते वा ।

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.21** 'संज्ञानात्मक-उत्कृष्ट-भाषादक्षता' Cognitively Advanced Language Proficiency (CALP) इत्यस्य अर्थ: अस्ति-

1. जटिला: सूक्ष्मविचाराश्च सूक्ष्मभाषामाध्यमेन सम्प्रेष्यन्ते ।
2. दैनिकाय तात्कालिक (here and now) सम्प्रेषणाय च भाषा प्रयुज्यते ।
3. सम्प्रेषणात्मकभाषायोग्यता ।
4. काव्यशास्त्रीयतत्त्वेभ्य: भाषा प्रयुज्यते ।

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.22** निम्नलिखितेषु क: प्रयोग:/कार्यम् ऊर्ध्व-अध: (Top-down) श्रवणप्रक्रियां पोषयितुम् उद्दिशति?

a. बहुविकल्पीया: प्रश्ना:
b. बहिर्निवेशनप्रश्ना:
c. श्रुतलेख:
d. सारांशनिर्माणम् (Creating abstract)

1. (c) तथा (d) ऊर्ध्व-अध: प्रक्रिये स्त:
2. तथा (b) ऊर्ध्व-अध: प्रक्रिये स्त:
3. (b) तथा (d) ऊर्ध्व-अध: प्रक्रिये स्त:
4. (c) तथा (b) ऊर्ध्व-अध: प्रक्रिये स्त:

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.23** नासिका, सुन्दरम्, शीर्षम्, भारतम् इत्येते शब्दा: कीदृशा: सन्ति ?

1. कार्यशब्दा: (function words)
2. विषयवस्तुशब्दा: (content words)
3. योजका: (conjunctions)
4. सञ्ज्ञाशब्दा:

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.24** साहित्यिकपाठ्यविषयस्य पठने स्वत:शोध (heuristic) प्रणाली अस्ति-

1. समस्याया: समाधेन घटनानां विचाराणाम् च पूर्वानुमानम् ।
2. साहित्यकलेखं भिन्नप्रकारेण पुन: लेखनम् ।
3. कथाया: समीक्षात्मकं विश्लेषणम् ।
4. कथाया: पात्राणां परस्परं विमर्श: ।

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **1**

**Q.25** काव्यपाठनस्य विषये निम्नलिखितेषु किम् कथनम् समीचीनम् अस्ति ?

a. व्याकरणं पाठयितुं काव्यम् प्रयोक्तव्यम्
b. काव्यम् समीक्षार्थम् प्रसन्नतार्थम्, मनोरञ्जनार्थम् च भवति।
c. भाषाशिक्षणार्थम् काव्यम् निवेश: (input) अस्ति।
d. काव्यम् सौन्दर्यबोधम् समीक्षात्मकम् चिन्तनम् च वर्धयति।

1. a तथा b तथा c
2. b तथा c तथा d
3. a तथा d तथा c
4. a तथा b तथा c तथा d

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.26** कश्चित् पाठक: कस्मिञ्चित् प्रतिष्ठाने (company) महाप्रबन्धकस्य पदाय प्रार्थनापत्रप्रेषणाविधिं ज्ञातुम् कमपि लेखम् पठति। स: विशेषरूपेण प्रार्थनापत्रं पठनम् किम् कथ्यते?

1. विहङ्गमदृष्ट्यापठनम् (skimming)
2. परिवीक्षणम् (scanning)
3. विश्लेषणात्मकम् पठनम् (analytical reading)
4. समीक्षात्मक-पठनम् (critical reading)

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.27** छात्रस्य सम्प्रेषणात्मकयोग्यतानां मूल्याङ्कनाय निम्नेषु कः सर्वोत्तमः मूल्याङ्कनप्रयोगः ?

1. चित्रपुस्तकात् कस्यापि दृश्यस्य वर्णनम् ।
2. दत्तपरिस्थितौ भाषाणलेखनम् ।
3. श्रवणपाठ्यस्य (audio) श्रवणम् तस्य विषये मौखिकीप्रतिक्रिया ।
4. कस्यामपि भूमिकायाम् (role play) भूमिकानिर्वाहः (playing a role) ।

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**

**Q.28** कश्चित् श्रोता श्रवणकाले विशिष्टविवरणम् शृणोति, सदृशान् शब्दान् अभिजानाति, शब्दक्रम-प्रक्रियामपि अवगच्छति । एषा श्रवणप्रक्रिया का कथ्यते ?

1. अधः-ऊर्ध्व प्रक्रिया: (Bottom-up processes)
2. ऊर्ध्व-अधः प्रक्रिया: (Top-down processes)
3. निर्गमनात्मक प्रक्रिया: (Inferential processes)
4. रेखीय-प्रक्रिया: (Linear processes)

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **2**

**Q.29** भारतवर्षस्य 'शिक्षायाम् भाषा' (language-in-education) इत्येषा नीतिः ज्ञायते-

1. त्रिभाषानियमः
2. नवीनशिक्षानीतिः
3. शिक्षायाम् बहुभाषीयता (multi-lingualism)
4. राज्यभाषा, हिन्दी च आङ्ग्लभाषा च

**Options** 1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **4**

**Q.30** लेखनस्य विभिन्न-अवस्थासु गत्वा लेखन शिक्षणम् कथ्यते -

1. लेखनस्य प्रक्रियापद्धति:
2. लेखनस्य उत्पादनपद्धति:
3. विश्लेषणात्मकम् लेखनम्
4. रचनात्मकलेखनम्

**Options**
1. 1
2. 2
3. 3
4. 4

Question Type : **MCQ**
Status : **Answered**
Chosen Option : **3**